मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, रविवार, 22 मार्च 2026

संवत 2083, चैत्र शुक्ल 4 संवत मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 186 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ गेम डिजाइनिंग का कोर्स करें मिलेगा कॅरियर ग्रोथ

ऋतिक रोशन ने मांगी प्रोड्यूसर बनने की टिप्स ◂◂ 6

लातेहार में भीषण सड़क हादसा

दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में 3 युवकों की मौत, 4 गंभीर

दोनों बाइकों के उड़े परखच्चे, किसी युवक ने भी हेलमेट नहीं पहना था

संवाददाता

लातेहार : जिले से भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जहां दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

पुलिस ने बताया कि हेरहंज थाना क्षेत्र के बरवाटोली में हुए इस हादसे के दौरान किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। हेरहंज थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह ने बताया कि सभी घायलों को बालूमाथ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान मोहन गंझू (22), मन्नू भुइयां (20) और गुलाब भुइयां (22) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि एक अन्य हादसे में चंदवा थाना क्षेत्र में एक ऑटो-रिक्शा और पिकअप वैन की टक्कर में चालक की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिका ने पाकिस्तान पर हमला किया तो दिल्ली, मुंबई पर गिराएंगे बम, पाक राजनयिक की गीदड़भभकी

एजेंसी/ इस्लामाबाद: पाकिस्तान के पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित ने भारत को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि

अगर अमरीका या इजरायल, पाकिस्तान पर हमला करता है तो पाकिस्तान को बिना सोचे-समझे भारत पर हमला कर देना चाहिए। बासित ने कहा कि ऐसे हालात में भारत सबसे आसान रास्ता हो सकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि पाकिस्तान को मुंबई और दिल्ली जैसे बड़े शहरों को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटना चाहिए। अब्दुल बासित 2014 से 2017 तक भारत में पाकिस्तान के हाई कमिश्नर रहे थे। इस बयान के सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों और विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के बयान भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा सकते हैं। खासकर तब, जब दोनों देश परमाणु ताकत रखते हैं।

एलपीजी संकट के बीच रहात भरी खबर

अमेरिका से न्यू मैंगलोर पोर्ट पहुंचा कार्गो जहाज

एजेंसी

बेंगलुरुः देश में संभावित गैस आपूर्ति संकट के बीच अमरीका से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर एक मालवाहक जहाज रविवार सुबह न्यू मैंगलोर बंदरगाह पर पहुंचा। बंदरगाह प्राधिकरण के अनुसार, सिंगापुर ध्वज वाला टैंकर पाइक्सिस पायनियर सुबह करीब छह बजे बर्थ नंबर-13 पर लगा। यह 47,236 टन ग्रॉस टनेज वाला जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नीदरलैंड से रवाना हुआ था। जहाज में एजिस लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के लिए 16,714 टन एलपीजी लदी हुई है और इसके सोमवार तड़के तक गैस की खेप उतारने के बाद जहाज रवाना होगा।

यह खेप ऐसे समय में पहुंची है जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारत में आपूर्ति को लेकर चिंता बनी हुई है। बढ़ती मांग के मद्देनजर सरकार ने राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी का आवंटन 20 प्रतिशत बढ़ाकर प्राथमिक क्षेत्रों के लिए कुल आवंटन 50 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले एक्वा टाइटन नामक जहाज, जो रूस का कच्चा तेल लेकर आया था, मैंगलोर तट पर पहुंचा था लेकिन आकार और अधिक कार्गो के कारण उसे तट से लगभग 18 समुद्री मील दूर लंगर डालना पड़ा था। ताजा एलपीजी आपूर्ति से अल्पावधि में राहत मिलने और प्रमुख क्षेत्रों में वितरण को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

एलपीजी भरा एक और भारतीय जहाज होर्मुज पार, ईरानी नेवी ने की मदद

हमले से बचाने को ट्रैकिंग सिस्टम किया बंद

एजेंसी/तेहरान: अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का शनिवार को 22वां दिन थी। ईरानी नेवी ने 13 मार्च की रात को एक भारतीय जहाज को सुरक्षित तरीके से होर्मुज स्ट्रेट पार कराया था। एलपीजी लेकर आ रहा ये जहाज 10 दिन से फारस की खाड़ी में फंसा था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह काम भारत और ईरान के बीच बातचीत के बाद हुआ। जहाज को पहले से तय रास्ते से निकाला गया ताकि वह हमलों से बच सके। इस दौरान जहाज का ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर दिया गया था। हालांकि रिपोर्ट में इस जहाज का नाम नहीं बताया गया है। अभी तक दो भारतीय जहाज शिवालिक (16 मार्च) और नंदा देवी (17 मार्च) होर्मुज के रास्ते एलपीजी लेकर भारत पहुंचे हैं। वहीं फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं।

सनसनीखेज वारदात : घर से एक ही परिवार के 5 सदस्यों के शव बरामद, मचा हड़कंप

कोच्चि : केरल के कोच्चि शहर से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। वदुथला क्षेत्र के एक किराए के मकान में शनिवार को एक ही परिवार के 5 सदस्यों के शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतकों में 2 महिलाएं और 3 मासूम बच्चे शामिल हैं। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस इसे सामूहिक आत्महत्या का मामला मान रही है। यह परिवार मूल रूप से तिरुवनंतपुरम के विलाप्पिलसाला का रहने वाला था और फरवरी से कोच्चि के करसका रोड पर रह रहा था। घटना की जानकारी शनिवार दोपहर तब हुई, जब एक केबल टीवी ऑपरेटर काम के सिलसिले में घर पहुंचा। खिड़की से झांकने पर उसने देखा कि दोनों महिलाएं फंदे से लटकी हुई हैं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एनार्कुलम नॉर्थ पुलिस ने जब घर में प्रवेश किया, तो तीनों बच्चे भी मृत पाए गए।

पीएम मोदी के नाम बड़ी उपलब्धि

भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने का बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ते हुए भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने का रिकॉर्ड बना लिया है। पवन कुमार चामलिंग ने 8,930 दिनों तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यकाल को मिलाकर 8,931 दिन पूरे कर लिए हैं। यह एक दुर्लभ और उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो दशकों की निरंतर सार्वजनिक सेवा और नेतृत्व को दर्शाती है।

उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी ने अपनी मुख्यमंत्री काल के दौरान भी गुजरात के सबसे लंबे समय तक सीएम बने रहने का रिकॉर्ड बनाया था। वे मुख्यमंत्री के रूप में सबसे लंबा अनुभव रखने वाले प्रधानमंत्री हैं। इसके साथ ही देश की आजादी के बाद लगातार तीन लोकसभा चुनाव (2014, 2019 और 2024) जीतने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। यह उपलब्धि दृढ़ता, अनुभव और निरंतर जनसमर्थन को रेखांकित करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को वडनगर, गुजरात में हुआ था। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रचारक के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की। 1985 में भाजपा में शामिल होकर उन्होंने

पार्टी संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया। नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। वह गुजरात के चार बार मुख्यमंत्री रहे। 2001, 2002, 2007 और 2012 विधानसभा चुनावों के बाद गुजरात सरकार का नेतृत्व किया। मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल 22 मई 2014 तक रहा। लगभग 12 वर्ष और 7 महीने तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे।

नरेंद्र मोदी भारत के 14वें और वर्तमान प्रधानमंत्री हैं, जो 26 मई 2014 से लगातार पद पर बने हुए हैं। जून 2024 में उन्होंने तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। वे लगातार तीसरी बार जीतने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने 4,000 से अधिक दिनों तक पद पर रहकर सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्रियों में अपना स्थान बनाया है।

48 घंटों में नहीं खोला होर्मुज स्ट्रेट तो पावर प्लांट्स पर करेंगे हमला

ट्रंप की ईरान को बड़ी चेतावनी

एजेंसी

वॉशिंगटनः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान 48 घंटों के भीतर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में विफल रहता है तो अमेरिकी उसके विद्युत संरचना पर नए हमले शुरू करेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में श्री ट्रंप ने कहाः अगर ईरान 48 घंटों के भीतर बिना किसी धमकी के होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से नहीं खोलता है तो अमेरिका उनके विभिन्न विद्युत संयंत्रों पर हमला करके उन्हें नष्ट कर देगा, जिसकी शुरूआत सबसे बड़े संयंत्र से होगी।

यह बयान पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच बयानबाजी में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत देता है, जहां तनाव के कारण पहले से ही संकरे जलमार्ग के माध्यम से नौवहन बाधित है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए एक प्रमुख मार्ग है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्से का योगदान देता है, और चल रहे युद्ध के कारण इसके प्रभावी रूप से बंद होने से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में तीव्र अस्थिरता और भू-राजनीतिक चिंताओं में वृद्धि हुई है।
ईरान ने चुनिंदा जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा जलडमरूमध्य की गश्त करने वाले देशों का गठबंधन बनाने का प्रयास सफल नहीं हो सका है क्योंकि प्रमुख साझेदारों ने इसमें शामिल होने में अनिच्छा व्यक्त की।

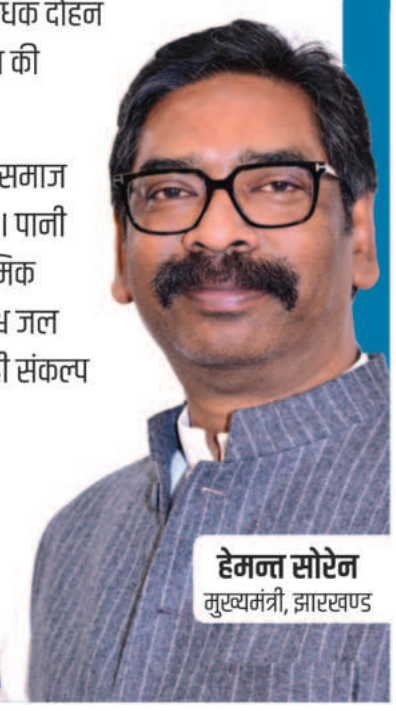

न्यूज IN ब्रीफ

धूमधाम से मना प्रकृति पर्व सरहुल

मांडरः प्रकृति पर्व सरहुल शनिवार को प्रखंड में धूमधाम से मनाया गया। प्रखंड के बुढ़ाखुखरा, कंदरी, जाहेर, मुड़मा सहित अन्य गांव में गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गयी। जिसमें सैकड़ो लोग पारंपरिक वेशभूषा में मांदर व नगाड़े की थाप पर थिरके। शोभायात्रा के स्वागत के लिए जगह-जगह पर शिविर लगाये गये। शिविरों में शोभायात्रा में शामिल लोगों के बीच चना व शरबत का वितरण किया गया। 21 पाड़हा की मुख्य शोभायात्रा प्रखंड मुख्यालय में निकाली गयी। जिसमें कंजिया, मलती, तिगोई अंबाटोली, सोसई, हेसल, घुघरी, गड़मी, मांडर बाजारटांड़ व अन्य गांव के लोग शामिल हुए। शोभायात्रा मुख्य मार्ग से थाना चौक होते हुए मांडर के सरना स्थल पहुंची, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद विभिन्न गांव के पहान, पुजार को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया।

बारिश के बाद गिरा तापमान

मुरी : कल शाम हुए बारिश के बाद तापमान में आयी गिरावट से ठंड बढ़ गयी । जगह- जगह बेमौसम बारिश व सड़को पर जमे पानी से जनजीवन अस्त व्यस्त दिखा। आज सुबह भी काफी देर तक कोहरा छाया रहा।

नये संकल्प के साथ नये नेता का करें चुनावः जयराम महतो

मुरी : नौजवानों से मेरी अपील है कि वे नये संकल्प के साथ नये नेता लाइए ,जो आपके बीच का हो, जो आपको समझे, जो आपकी सुन, जो आपकी पीड़ा को समझे। उक्त बातें सीमावर्ती बंगाल के बागमुंडी विधानसभा के तुलिन अंचल के उहुपीढी मैदान में जनता को संबोधित करते हुए जयराम महतो ने कही। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि देश में बदलाव की अवश्यकता है ऐसा नेता लाइए जो जनता के बेसिक अवश्यकता की बात विधायिका में उठाए। पूरे कार्यक्रम के दौरान झिमझिम बारिश होती रही मगर जनता ने भींग- भींग कर उनका भाषणा सुना।

बारिश के बीच सरहुल से धूमधाम से संपन्न

मुरी : हर साल की भांति सिल्ली लुपुंग टोला मेन आखड़ा में सरहुल के उपलक्ष्य पर साल की पूजा एवं परम्परागत नृत्य संगीत के साथ संपन्न हो गया। संचालन सरना समिति के गोंदरा उरांव ने किया। आए सभी अतिथि एवं मेहमानों को अबीर लगाकर कान में साल की छोटी टहनी खोंसा गया। अध्यक्ष सह मुखिया भरत सिंह मुंडा , कोषाध्यक्ष दुर्गा चरण मांझी, ललित सिंह मुंडा एवं सभी सरना समिति सदस्यों की निगरानी में कार्य क्रम को समाजिक रीति रिवाज से पुरा किया गया। मुख्य अतिथि बिधायक अमित महतो ने इस अवसर पर सभी आगुन्तको को सरहुल की शुभकामनाएं दी और कहा कि सरहुल प्राकृत पूजा है, इससे आने वाली अच्छी वर्षा और खेती का अनुमान लगता है। लुपुंग टोला के मुखिया सीमा गंझु और उनके सहयोग भाई त्रिलोकी गंझु विषेश रूप से चना गुड़ और पानी का प्रबंध किया। सिल्ली के पिस्का, खपचा बेड़ा, मोदी डीह, आदि क्षेत्र से सरहुल झंडे के साथ शोभायात्रा कर आखड़ा पहुंचे। वहां आखडा में परम्परागत नृत्य संगीत चलता रहा।

श्रीमद भागवत गीता का शब्द मानव जीवन को सार्थक बनाता हैः देवी कृष्णा प्रिया

पलामूः प्रखंड अंतर्गत भजनिया गांव स्थित पवित्र कोयल नदी के तट पर अवस्थित शिव मंदिर परिसर में आयोजित श्री रामचरित मानस नवाह्न परायण पाठ महायज्ञ के अंतर्गत चल रही श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कथा के दौरान वृंदावन से पधारी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा वाचिका पूज्य देवी कृष्णप्रिया ने अपने ओजस्वी एवं मधुर प्रवचन से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि श्रीमद्भागवत गीता भगवान का साक्षात शब्द स्वरूप है, जिसके प्रत्येक शब्द और वाक्य मानव जीवन में प्रवेश कर उसे सार्थक एवं सफल बनाने की शक्ति रखते हैं। उन्होंने आगे बताया कि भगवान ने मनुष्य को जीवन में आगे बढ़ने के लिए तीन प्रमुख मार्ग बताए हैं– भक्ति मार्ग, कर्म मार्ग और ज्ञान मार्ग। इन तीनों मार्गों के समन्वय से ही मनुष्य अपने जीवन को धर्ममय और सफल बना सकता है।

कथा के दौरान देवी कृष्णप्रिया ने सरल एवं भावपूर्ण शैली में भगवान की महिमा का वर्णन किया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। बीच-बीच में प्रस्तुत किए गए भक्ति गीतों– व्रज में रत्न राधिका गोरी , जहां विराजे राधारानी आदि–ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए और पूरा परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया।

ज्ञात हो कि श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 26 मार्च तक किया जाएगा। वहीं श्री रामचरित मानस नवाह्न परायण पाठ में विद्वान पंडितों द्वारा नियमित रूप से विधिवत पाठ किया जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है।

इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में यज्ञ समिति के अध्यक्ष विपिन बिहारी सिंह उर्फ मंटू सिंह, सी बी रमण सिंह,नर्वदेश्वर सिंह,राकेश कुमार सिंह (भैया जी), कामता मेहता, पप्पू प्रजापति, विश्वनाथ चौधरी, गोकुल गुप्ता, रामबालक गुप्ता, अखिलेश मेहता, राजू मेहता, मनोज सिंह, मनीष सिंह, रामसुंदर मेहता सहित समस्त ग्रामवासी सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। आयोजन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं।

खुद कार ड्राइव कर सिरमटोली सरना स्थल पहुंचे मुख्यमंत्री, कहा- प्रकृति से ही सृजन और विलय

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन शनिवार को कार से सिरमटोली चौक स्थित सरना स्थल पहुंचे। सीएम हेमंत खुद कार की ड्राइविंग सीट पर बैठे थे, जबकि विधायक कल्पना सोरेन और उनका बेटा पीछे ही सीट पर थे। सीएम खुद कार चला रहे थे और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर देखते ही देखते वायरल हो गया। लोग वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं। सीएम हेमंत और कल्पना पारंपरिक परिधान में थे। इससे पहले सीएम आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर, करमटोली पहुंचे। दोनों ने प्रकृति पर्व सरहुल पर यहां आयोजित महोत्सव में शामिल होकर पारंपरिक विधि-विधान के साथ पूजा की। साथ ही समस्त झारखंड वासियों के कल्याण की प्रार्थना की।

राज्यवासियों को सरहुल की दी बधाईः मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्साह और हर्षोल्लास का दिन है। आदिवासी समुदाय के लिए खास दिन है। हर वर्ष हमलोग इस प्रांगण में मिलते रहे हैं। आगे भी आते रहेंगे और आप सभी से मिलते भी रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार हमारे पूर्वजों ने सरहुल महोत्सव जैसी समृद्ध परंपराओं के निर्वाह की जिम्मेदारी हमारे कंधों पर दी है, हम आने वाले समय में अपनी पीढ़ी के कंधों पर इन परंपराओं के निर्वहन का जिम्मा सौंपेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति से बड़ी पूजा और कुछ नहीं है। प्रकृति से ही सभी चीजों का सृजन और उसी में विलय होता है।

प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना नहींः मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अगर प्रकृति न होती, तो संसार में कोई जीव-जंतु भी नहीं होते। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सभी प्रकृति द्वारा रचाई और बसाई गयी व्यवस्था है और इस व्यवस्था के प्रति आदिवासी समूह की अटूट आस्था है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने मांदर बजाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

प्रकृति की रक्षा कर अपने जीवन को सुरक्षित करेंः मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति से हम सभी को जुड़ने की जरूरत है। प्रकृति जब सुरक्षित रहेगी, तब हमारा अस्तित्व भी रहेगा। आज के भौतिकवादी युग में आपा-धापी के बीच जीवनयापन हो रहा है। हमारे पूर्वजों ने योजनाबद्ध तरीके से दीर्घकालीन सोच के साथ कुछ ऐसी व्यवस्था बनायी है, जिसके तहत हम लोग एक साथ एक मंडप में एक छत के नीचे एकत्रित होते हैं। इन सभी व्यवस्थाओं को हमें प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने की जरूरत है। हम सभी लोग प्रकृति की रक्षा करें और अपने जीवन को सुरक्षित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के पावन अवसर पर सिर्फ मानव ही नहीं, बल्कि प्रकृति भी झूम रही है। निश्चित रूप से हमें गर्व होना चाहिए कि हम एक ऐसी व्यवस्था के उपासक हैं, जहां से जीवन शुरू होता है। आज के इस पावन अवसर पर हमारी ओर से आपको एवं आपके परिवारजनों सहित समस्त राज्यवासियों को प्रकृति पर्व सरहुल की ढेर सारी शुभकामनाएं। मौके पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की एवं विधायक कल्पना सोरेन ने भी झारखंड वासियों को प्रकृति पर्व सरहुल की शुभकामनाएं दी।

गौवंश ले जा रही चार गाड़ियों को रोका गया, कागजी त्रुटि से बढ़ा विवाद, प्रशासन ने कराया शांत

संवाददाता

खूंटी : जिले में उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब गौवंश ले जा रही चार गाड़ियों को हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने रोक दिया। मामला जल्द ही भीड़ और विरोध में बदल गया, हालांकि प्रशासन के हस्तक्षेप से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खूंटी जिले के कर्रा क्षेत्र से चार ट्रकों में कुल 36 गौवंश को भरकर चाकुलिया ले जाया जा रहा था। इनमें कुछ बछड़े भी शामिल थे। जैसे ही इसकी सूचना बजरंग दल और अन्य हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं को मिली, उन्होंने कर्रा रोड से गाड़ियों का पीछा शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि कार्यकर्ताओं ने एस एस हाई स्कूल के पास, जो खूंटी-चाईबासा मुख्य मार्ग पर स्थित है, चारों वाहनों को रोक लिया। इसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों ने गाय तस्करी का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग शुरू कर दी। घटना स्थल पर मौजूद संगठनों के पदाधिकारियों ने जब गाड़ियों के दस्तावेजों की जांच की, तो पता चला कि गौवंश को कर्रा के गौशाला से सरकारी अनुमति के साथ चाकुलिया भेजा जा रहा था। हालांकि, दस्तावेजों में कुछ मामूली त्रुटियां पाई गईं–जैसे कि परिवहन की तिथि और दिन स्पष्ट रूप से अंकित नहीं था–जिससे संदेह की स्थिति बनी। इसी बीच, गौवंश ले जा रहे लोगों ने फोन के माध्यम से जिला प्रशासन के अधिकारियों से संपर्क कर यह स्पष्ट किया कि परिवहन पूरी तरह से सरकारी आदेश के तहत किया जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन तुरंत हरकत में आया। खूंटी सीओ कार्यालय और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर स्थिति को शांत कराया। आगामी रामनवमी पर्व को ध्यान में रखते हुए, प्रशासन ने एहतियातन सभी गौवंश को वापस कर्रा गौशाला भेजने का निर्णय लिया। अब इन गौवंश को रामनवमी के बाद ही चाकुलिया भेजा जाएगा। इधर, बजरंग दल समेत विभिन्न हिंदू संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में जब भी गौवंश को सरकारी आदेश के तहत कहीं भेजा जाए, तो उसकी पूर्व सूचना संबंधित थाना और स्थानीय संगठनों को दी जाए। साथ ही, हर वाहन के सामने स्पष्ट रूप से परमिट लेटर चिपकाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि इस तरह की गलतफहमियों से बचा जा सके। घटना के बाद इलाके में स्थिति सामान्य है, लेकिन इस पूरे मामले ने प्रशासनिक पारदर्शिता और सूचना के बेहतर समन्वय की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

आदिवासियों का मुख्य पर्व है सरहुलः अमित महतो

संवाददाता

सिल्ली : प्रकृति पर्व सरहुल सिल्ली में धूमधाम से मनाया गया। स्थानीय सरना स्थलों में पाहन द्वारा विधिवत पूजा अर्चना करायी गई। खापचाबेड़ा, मोदीडीह, सिल्ली नीचे टोला, मेदनी पिस्का, जारू, रामपुर, पतराहातु, गम्हारटीकरा आदि गांवों से शोभा यात्रा निकला जो सिल्ली सरना समिति द्वारा लुपुंग टोला में आयोजित सरहुल आखड़ा पहुंचा। जहां सरना समिति की ओर से स्वागत किया गया। शोभा यात्रा में स्थानीय विधायक अमित महतो भी शामिल हुए। विधायक ने कहा सरहुल आदिवासियों का मुख्य पर्व सरहुल पूजा है। जिसमें प्रकृति की पूजा होती है। यह पर्व एकता एवं शांति का पर्व है। उन्होंने कहा कि पर्व के दिन लोग सरना स्थल पर शाल वृक्ष की पूजा करते हैं क्योंकि पेड़ है तो हमारा जीवन है। उन्होंने कहा कि इससे सिर्फ आदिवासी ही नहीं बल्कि सभी समुदाय के लोगों को लाभ मिलता है। आदिवासी समाज में कुछ बुराइयों के कारण अभी भी समाज काफी पिछड़ा है। जिसका सबसे बड़ा कारण शराब का सेवन का एवं शिक्षा की कमी है। अगर लोग शराब का सेवन अपने संस्कृति के अनुसार पूजा करने के बाद सिर्फ थोड़ी मात्रा में लें तो यह बुरा नहीं हो सकता।

सिंगा-बोंगा के पूजन के बाद निकाली गई भव्य शोभायात्रा

राहे : प्रकृति पर्व सरहुल के मौके पर शनिवार को राहे प्रखंड स्तरीय सरहुल महोत्सव का आयोजन कटियाडीह गांव में किया गया। पाहन शिवनाथ मुंडा,दिलीप मुंडा ओर मुची राम मुंडा ने विधिवत सिंगा-बोंगा का पूजन किया। सरना समिति के तत्वावधान में प्रखंड के सभी नौ पंचायत के सरना समिति के सांस्कृतिक दल उपस्थित होकर भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा कटियाडीह से शुरू होकर नावागांव,पाठकडीह,सुभाष चौक राहे होते हुए भगतसिंह चौक गोमदा पहुँची। शोभायात्रा पुनः कटियाडीह वापस लौटी।शोभायात्रा में एक दूसरे को गुलाल लगा कर त्यौहार की बधाई दी गई। आदिवासी समुदाय के लोग पारंपरिक परिधान में ढोल नगाड़ों के थाप में नृत्य करते हुये झारखंडी लोक संस्कृति का जीवंत झांकी प्रस्तुत किया। महोत्सव में प्रखंड के सभी मुखिया सहित पांडु मुंडा, प्रदीप मुंडा,ललित मुंडा, संतोष मुंडा, तुलसी मुंडा,विशेश्वर मुंडा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शोभायात्रा में काफी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग मौजूद थे।

राज्य के मेडिकल कॉलेजों में यूजी-पीजी की सीटें बढ़ाने की योजना, भेजा गया प्रस्ताव

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों (मेडिकल कॉलेजों) में अंडर ग्रेजुएट (एमबीबीएस) और पोस्ट ग्रेजुएट (एमडी/एमएस) की सीटों में बढ़ोतरी की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। झारखंड सरकार की ओर से विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) को भेजा गया है ताकि राज्य में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार हो सके और चिकित्सकों की कमी को दूर किया जा सके।

स्वास्थ्य विभाग से दी गयी जानकारी के अनुसार इस वर्ष जमशेदपुर स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज में अंडर ग्रेजुएट सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 सीट, दुमका, हजारीबाग और धनबाद मेडिकल कॉलेजों में भी 100-100 यूजी सीटों को बढ़ाकर 150 किए जाने का प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अलावा रांची स्थित रिम्स में अंडर ग्रेजुएट एमबीबीएस सीटों की संख्या 180 से बढ़ाकर 250 करने का भी प्रस्ताव नेशनल मेडिकल काउंसिल को भेजा गया है।

विभाग ने राज्य के मेडिकल कॉलेजों में पोस्ट ग्रेजुएट सीटों में भी बढ़ोतरी का प्रस्ताव ठटउ के समक्ष रखा। जमशेदपुर में इस वर्ष पीजी सीटें 45 से बढ़कर 51 हो गई हैं। वहीं धनबाद में पहले 9 पीजी सीटें थीं, जिन्हें 10 अतिरिक्त सीट जोड़कर 19 कर दिया गया है। इसी तरह धनबाद में 25 सीटों के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। राज्य के तीन नए मेडिकल कॉलेजों में भी पीजी पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी की जा रही है। दुमका में 21, हजारीबाग में 30 और पलामू में 21 सीटों की विभिन्न विषयों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव ठटउ को भेजा गया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद इन मेडिकल कॉलेजों में भी पीजी की पढ़ाई शुरू हो सकेगी। इस संबंध में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि पीजी सीटों में बढ़ोतरी होने से राज्य में चिकित्सा शिक्षा और अधिक सुचारू रूप से संचालित हो सकेगी।

सरहुल पर पलामू में की गई बाघ देवता की स्थापना

टाइगर के लिए काफी चर्चित रहा है यह क्षेत्र

पलामू : शनिवार को पूरा देश प्रकृति का पर्व सरहुल मना रहा था। इसी सरहुल पर्व के दौरान झारखंड में बाघ देवता की स्थापना की गई है। बाघ देवता की स्थापना के लिए 15 से अधिक गांव के ग्रामीण एक जगह जमा हुए थे। दरअसल सरहुल प्रकृति से जुड़ा हुआ पर्व है और बाघ भी प्रकृति की रक्षा से जुड़ा हुआ है। झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व के उत्तरी क्षेत्र के छिपादोहर के लात गांव में बाघ देवता की स्थापना की गई है।

बाघ जंगल में आस्था के प्रतीक के रूप में उभरेंगेः डिप्टी डायरेक्टर

शनिवार को सरहुल के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बाघ देवता की स्थापना की गई और सैकड़ों ग्रामीणों ने पूजा शुरू की। पलामू टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर प्रजेशकांत जेना ने कहा कि बाघ देवता जंगल में आस्था और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रतीक के रूप में उभरेंगे।

यह क्षेत्र बाघ के मूवमेंट के लिए चर्चित हैः दरअसल पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में जंगल एवं वन्य जीव के संरक्षण के लिए कई अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पलामू टाइगर रिजर्व में रहने वाले ग्रामीणों को उनकी संस्कृति से भी जुड़ाव को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिस इलाके में बाघ देवता की स्थापना की गई है, वह इलाका बाघ के मूवमेंट के लिए चर्चित रहा है।

पलामू का पीटीआर देश के नौ टाइगर रिजर्व में शामिलः कुछ दिनों पहले ग्रामीणों ने आपसी सहमति से बाघ देवता की स्थापना का निर्णय लिया था। झारखंड का यह पहला इलाका होगा जहां बाघ को देवता मानकर पूजा की जाएगी। पलामू टाइगर रिजर्व करीब 1149 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और देश के नौ टाइगर रिजर्व में शामिल है जहां सबसे पहले बाघों की संरक्षण की बात हुई थी।

बाघ प्रकृति की रक्षा एवं जंगल के संरक्षण में सहायकः यह इलाका बाघों के मूवमेंट के लिए पूरे देश भर में चर्चित रहा है। पलामू टाइगर बाघ देवता की स्थापना को लेकर परब भागीदारी नामक अभियान की शुरूआत की गई थी। स्थानीय ग्रामीणों को बताया गया था कि बाघ प्रकृति की रक्षा एवं जंगल के संरक्षण में किस प्रकार सहायक है।

रिम्स में अब शुरू होंगी कई नई महंगी जांच

कैंसर, थायराइड व किडनी संबंधी बीमारियों की जांच होगी सुलभ

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के रिम्स में अब मरीजों को लगभग हर तरह की जांच की सुविधा एक ही जगह मिलने जा रही है। ट्रामा सेंटर लैब में पहले से 24 घंटे जांच की सुविधा उपलब्ध है, वहीं अब कई नई और महंगी जांचें भी शुरू की जा रही हैं।

इन जांचों के शुरू होने से मरीजों को समय पर बीमारी का पता चलेगा और इलाज जल्दी शुरू हो सकेगा। इससे खासकर गरीब मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें अब तक निजी लैब में हजारों रुपये खर्च करने पड़ते थे।

रिम्स प्रबंधन के अनुसार, कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों की जांच अब यहीं संभव होगी। जिन जांचों के लिए निजी लैब में 15 से 20 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ते थे, वे फिलहाल फ्री या बहुत कम दर पर उपलब्ध कराई जाएंगी। आगे चलकर इन जांचों की दरें बाजार से 90 प्रतिशत तक कम रखने की तैयारी है।

6 नई जांचें होंगी शुरू, मरीजों को मिलेगा सीधा लाभ

सीए-125 जांचः यह महिलाओं में अंडाशय (ओवरी) के कैंसर की पहचान के लिए महत्वपूर्ण जांच है।

सीए-19-9 जांचः अग्न्याशय (पैंक्रियाज) और पाचन तंत्र से जुड़े कैंसर का पता लगाने में सहायक।

एंटी-टीपीओ जांचः थायरायड ग्रंथि से जुड़ी बीमारियों की पहचान के लिए उपयोगी।

एंटी-सीसीपी जांचः जोड़ों की बीमारी (रूमेटाइड आर्थराइटिस) की शुरूआती पहचान में सहायक।

मूत्र प्रोटीन जांचः किडनी से जुड़ी बीमारियों और शरीर में प्रोटीन की कमी या लीकेज का पता लगाने के लिए जरूरी।

आरएफ(रूमेटाइड फैक्टर) जांचः गठिया रोग की पुष्टि और उसकी गंभीरता जानने में सहायक।

ट्रामा सेंटर लैब में 24 घंटे मिल रही ये सुविधाएं : रिम्स के ट्रामा सेंटर स्थित अत्याधुनिक लैब में पहले से ही 24*7 जांच की सुविधा उपलब्ध है। यहां 4-5 घंटे के भीतर रिपोर्ट मिल रही है।

उपलब्ध प्रमुख जांचों में शामिल हैंः रक्त शर्करा जांच (ब्लड शुगर), गुर्दा कार्य जांच (यूरिया, क्रिएटिनिन), यकृत कार्य जांच (लिवर फंक्शन), इलेक्ट्रोलाइट जांच (सोडियम, पोटैशियम), कोलेस्ट्रोल जांच (लिपिड प्रोफाइल), हार्मोन जांच (टी3, टी4, टीएसएच, कोर्टिसोल), कैंसर संबंधी जांच (सीईए, एएफपी, एचसीजी, एलडीएच), गंभीर संक्रमण जांच (सीआरपी, प्रोकैल्सीटोनीन, डी-डाइमर, ट्रोपोनिन), संक्रामक रोग जांच (एचआईवी, हेपेटाइटिस बीवसी), सामान्य पैथोलाजी जांच (सीबीसी, पीटी,आइएनआर, मूत्र जांच, शरीर के तरल की जांच) आदि।

निजी लैब पर निर्भरता होगी कमः इन सुविधाओं के विस्तार से अब मरीजों को निजी लैब का रुख नहीं करना पड़ेगा। जहां पहले एक जांच के लिए हजारों रुपये खर्च होते थे, वहीं अब रिम्स में सस्ती या मुफ्त जांच उपलब्ध होगी।

रिम्स के डाक्टरों का मानना है कि इससे गरीब मरीजों का आर्थिक बोझ कम होगा और समय पर जांच व इलाज से गंभीर बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सकेगा।

पहले भी उठती रही है जांच सुविधा बढ़ाने की मांगः रिम्स में महंगी जांचों की सुविधा शुरू करने की मांग लंबे समय से उठती रही है। कई बार मरीजों और जनप्रतिनिधियों ने यह मुद्दा उठाया कि सरकारी अस्पताल में इलाज के बावजूद जांच के लिए निजी लैब पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे इलाज महंगा हो जाता है।

खासकर कैंसर और हार्मोन से जुड़ी जांचों के लिए मरीजों को बाहर जाना पड़ता था। इन नई सुविधाओं के शुरू होने से आयुष्मान भारत योजना और बीपीएल श्रेणी के मरीजों को सीधा फायदा मिलेगा।

अब उन्हें जांच के लिए अलग-अलग जगह भटकना नहीं पड़ेगा। एक ही परिसर में जांच और इलाज दोनों की सुविधा मिलने से समय और पैसे दोनों की बचत होगी।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सरहुल पहानों ने की सुख -समृद्धि की कामना

संवाददाता

रांचीः जिले के रातु प्रखंड के सिमलिया पंचायत स्थित जत्तरा मैदान में प्रकृति पर्व सरहुल की पूजा धूमधाम से की गई। सरहुल पर्व के अवसर पर जत्तरा मैदान में जत्तरा सरहुल महोत्सव आयोजन समिति की अध्यक्षता पूर्व मुखिया (सिमलिया) मुकेश भगत तथा रिंग रोड दलादिली चौक स्थित सरहुल महोत्सव आयोजन समिति की अध्यक्षता प्रदीप कुजुर के द्वारा किया गया। स्वागत शिविर में खोड़ा संघ, पाहन राजा, एवम आए हुए अतिथियों को बैच लगाकर, अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा अबीर गुलाल लगाकर उत्सव मनाया गया। लोगों के लिए चना की भी व्यवस्था की गई थी। मौके पर पाहनों ने विधि- विधान से पूजा-अर्चना कर सभी के लिए सुख, समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर लाल पाड की साड़ी में महिलाएं व सफेद धोती पहनकर पुरुष नृत्य करते दिखे। विभिन्न गीतों पर आदिवासी समाज के लोग झूमते रहे। सरहुल पर शोभायात्रा भी निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और पुरुष शामिल हुए। कार्यक्रम में राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह , पूर्व प्रमुख सुरेश मंडा, समाजसेवी अभिषेक मिश्रा, पूर्व डीएसपी विनोद कुमार गुप्ता, डीएसपी अरविंद कुमार, दलादिली ओपी प्रभारी, पूर्व मुखिया मुकेश भगत , बिरसु मुंडा, सुधीर महतो, अजय राय, बालू भगत, तुलसी उरांव, शंभू सिंह, बबीता कुजूर, रामभरोस महतो सहित अन्य प्रबुद्धजन व समाजसेवीगण ने शिरकत की। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि सरहुल प्रकृति की उदारता का उत्सव है। सरहुल का त्योहार एक ओर हमें प्रकृति से जोड़ता है, तो दूसरी तरफ अपनी समग्र परंपरा और संस्कृति का सुखद एहसास कराता है। यही वजह है कि आदिवासी समाज वर्षों से प्रकृति पूजा परंपरा को निभाते चले आ रहे हैं। वहीं जल, जंगल, जमीन के साथ नदी, नाले और पहाड़ों को बचाने के लिए भी लोगों से आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें एक बार फिर प्रकृति के अमूल उपहार का आभार व्यक्त करना चाहिए। कहा कि इस दिन आदिवासी समाज पूजा करने के साथ-साथ पूजा करने के साथ-साथ सुंदर फूलों से अच्छादित सखुआ के पेड़ के नीचे एकत्रित होकर भोज करते हैं और हर्षोल्लास से नाचते झुमते हैं और सभी की खुशहाली की कामना करते हैं। साथ ही वक्ताओं ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में हमें अपने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। वहीं सखुआ का पेड़ का महत्ता बताते हुए कहा कि सखुआ का पेड़ केवल एक प्राचीन प्रतीक ही नहीं है, अपितु इसके पत्ते, फूल और लकड़ी हमारे खाद्य औषधि और जीवन उपयोगी सामग्री के अमूल स्रोत भी हैं। इसलिए हम सभी सरहुल का पर्व बनाकर हम प्रकृति की रक्षा के प्रति एक बार फिर अपनी जिम्मेदारी को दोहराते हैं। मौके पर मौके पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

संजय सेठ ने थरूर के पश्चिम एशिया वाले बयान पर कहा-

शशि थरूर हमेशा देश के साथ खड़े रहते हैं

संवाददाता

रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को पश्चिम एशिया के बारे में भारत की विदेश नीति के लिए शशि थरूर के समर्थन की तारीफ की, और कहा कि थरूर लगातार देश के साथ खड़े रहते हैं और सच बोलते हैं। मंत्री ने आगे कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को इनसे सीखना चाहिए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सत्ताधारी सरकार के हर फैसले की विपक्षी पार्टियों को आँख बंद करके आलोचना नहीं करनी चाहिए।

एनएमसी को भेजा प्रस्तावः सेठ ने कहा, शशि थरूर हमेशा देश के साथ खड़े रहते हैं, वह हमेशा सच बोलते हैं। राहुल गांधी को इनसे सीखना चाहिए। हर चीज का विरोध नहीं करना चाहिए। पीएम मोदी की डिप्लोमेसी की वजह से पूरा देश शांति से रह रहा है और यहाँ कोई पैनिक नहीं है। डीजल, पेट्रोल और गैस की कोई कमी नहीं है। जो प्रोपेगैंडा और पैनिक बनाया गया, वह कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने किया। कांग्रेस पार्टी के सभी नेताओं को उनसे सीखना चाहिए। इससे पहले, कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट पर भारत के जवाब को ज़िम्मेदार राज करने का तरीका बताया और इस बात पर जोर दिया कि ऐसे मुश्किल हालात में संयम रखना कमजोरी के बजाय ताकत दिखाता है।

एक इंटरव्यू में, थरूर ने कहा, संयम हार मानना ??नहीं है। संयम ही ताकत है जो यह दिखाता है कि हम जानते हैं कि हमारे फायदे क्या हैं और हम सबसे पहले अपने फायदे बचाने के लिए काम करेंगे। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच हुए झगड़े का ज़िक्र करते हुए, थरूर ने कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की हत्या के बाद भारत को पहले ही शोक जताना चाहिए था, और साथ ही सावधानी से डिप्लोमैटिक रवैया भी अपनाना चाहिए था।

जोन्हा में शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुन झूम उठे श्रद्धालु

अनगड़ाः श्रीराम मंदिर जोन्हा में आयोजित नौ दिवसीय श्रीरामकथा के तीसरे दिन कथा श्रवण करने और शिव-पार्वती विवाह के पावन प्रसंग का साक्षी बनने के लिए पंडाल में श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ पड़ी। आचार्य धर्मराज शास्त्री ने शिव-सती प्रसंग और शिव व पार्वती के विवाह का मार्मिक व मनोरम वर्णन किया। तारकासुर के वध और सृष्टि के कल्याण के लिए माता पार्वती के अवतरण की कथा सुनायी। माता पार्वती की घोर तपस्या और भोलेनाथ के साथ उनके अद्भुत विवाह प्रसंग को सुनकर पूरा पंडाल शिवमय हो उठा। कथा के बीच-बीच में प्रस्तुत किये गये शिव बारात और विवाह के सुमधुर भजनों पर उपस्थित श्रद्धालु अपनी जगह पर खड़े होकर झूमने लगे। मुख्य अतिथि रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने व्यासपीठ का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि ऐसे भव्य और पवित्र धार्मिक आयोजनों से समाज में एकजुटता, शांति और सुसंस्कारों का संचार होता है। श्रीरामकथा और शिव-पार्वती के आदर्श चरित्र का श्रवण मानव जीवन को धन्य कर देता है।

सरहुल शोभायात्रा में बिछड़ा मासूम, रांची पुलिस ने रातभर सुरक्षित रखकर परिवार से मिलाया

- कचहरी चौक पर भीड़ में खो गया था बच्चा, सीसीआर कंट्रोल में रखकर पुलिस ने दिखाई मानवता

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः प्रकृति पर्व सरहुल की शोभायात्रा के दौरान कचहरी चौक के पास एक मासूम बच्चा अपने परिवार से बिछड़ गया। भीड़भाड़ के बीच लावारिस हालत में मिले बच्चे को वहां मौजूद लोगों ने तुरंत ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सौंप दिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बच्चे को सीसीआर कंट्रोल रूम में सुरक्षित रखा और उसकी पहचान व परिजनों की तलाश शुरू की। कंट्रोल रूम से सभी थानों को सूचना दी गई, साथ ही वायरलेस और सोशल मीडिया के माध्यम से भी बच्चे के परिवार तक पहुंचने का प्रयास किया गया। अगले दिन सुबह करीब 10 बजे बच्चे के परिवार को उसकी जानकारी मिली। इसके बाद बच्चे की दादी और मौसी सीसीआर कंट्रोल पहुंचीं। उन्होंने बताया कि बच्चे की मां का पहले ही निधन हो चुका है और पिता बीमार हैं। सरहुल शोभायात्रा में शामिल होने के दौरान ही कचहरी चौक के पास भीड़ में बच्चा उनसे बिछड़ गया था।परिजनों ने रातभर अपने स्तर पर बच्चे की तलाश की, लेकिन भारी भीड़ के कारण उसे ढूंढ नहीं पाए और मायूस होकर घर लौट गए। सुबह मोहल्ले के लोगों से जानकारी मिलने के बाद वे तुरंत कंट्रोल रूम पहुंचे।

इस दौरान बच्चा शुरू में दादी और मौसी के साथ जाने में हिचकिचा रहा था। इसके बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली और गोंदा थाना की पुलिस गश्ती टीम ने बच्चे और उसके परिजनों को पुलिस वाहन से सुरक्षित उनके गोंदा थाना क्षेत्र स्थित हथिया गोंदा स्थित घर पहुंचाया।

घर पहुंचने पर बच्चे की उसके बीमार पिता से मुलाकात कराई गई और आवश्यक सत्यापन के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने परिवार से मिलकर बच्चा काफी खुश नजर आया।इस मानवीय पहल के लिए बच्चे के परिजनों ने रांची पुलिस का आभार जताया।

रांची में सरहुल उत्सव की धूम : पारंपरिक नृत्यों और जुलूस के साथ मनाया गया त्योहार

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में शनिवार को सरहुल पर्व का भव्य आयोजन हुआ। यह आदिवासी समुदायों के लिए प्रमुख त्योहारों में से एक है और इसे वसंत ऋतु के आगमन और नई फसल की खुशियाँ मनाने के लिए बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर शहर की सड़कों पर उत्सव का दृश्य विशेष रूप से आकर्षक रहा। जुलूस की शुरूआत कई अकारों से हुई, जिसमें आदिवासी समुदाय के सदस्य पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। जुलूस ने अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए सिरामटोली तक अपनी यात्रा पूरी की। आदिवासी युवाओं और बच्चों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे सड़कों पर उत्साह और रंग-बिरंगा माहौल देखने को मिला। इस दौरान लोग झूमते हुए नृत्य में शामिल हुए और त्योहार की खुशियों का आनंद लिया। सरहुल उत्सव केवल नृत्य और जुलूस तक ही सीमित नहीं रहा। इसमें पारंपरिक गीत, आदिवासी वाद्ययंत्र और सांस्कृतिक गतिविधियों ने भी लोगों का मन मोह लिया। आयोजकों ने बताया कि यह पर्व समुदाय में भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने का प्रतीक है।

उत्सव की सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया। लोगों ने मास्क और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए उत्सव में हिस्सा लिया। इस पर्व ने रांची की सड़कों को जीवंत कर दिया और शहरवासियों तथा आगंतुकों को झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और लोक परंपरा का अद्भुत अनुभव प्रदान किया।

पूरे राज्य में अकीदत के साथ अदा की गई नमाज, अमन-चैन के लिए मांगी गई दुआएं

रांची : राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में मस्जिदों में कड़ी सुरक्षा के बीच ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। रांची में आईजी सह एडीजी सीआईडी मनोज कौशिक ने खुद शहर में घूम-घूमकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सुबह से ही ईदगाह परिसर में बच्चों से लेकर बुजुर्ग नामाजियों की भीड़ उमड़ने लगी थी। सभी ने नामाज अदा करने के बाद एक-दूसरे को मुबारकबाद दी।

कोयलांचल की हृदयस्थली धनबाद में ईद-उल-फितर का पर्व अकीदत और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर के ऐतिहासिक रेलवे ग्राउंड में आयोजित मुख्य नमाज में हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग जुटे।सामूहिक इबादत के दौरान देश की खुशहाली, अमन-चैन और तरक्की के लिए दुआएं मांगी गईं। बोकारो जिले में ईद का पर्व अकीदत और उल्लास के साथ मनाया गया, जहां मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी। नमाज के बाद अमन-चैन और भाईचारे की दुआ की गई। प्रशासन की निगरानी में त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ और लोगों ने एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। बाबानगरी देवघर के जामा मस्जिद में सभी मोमिन समाज के लोगों ने रमजानुल मुबारक माह के जुम्मे की नमाज अकीदत के साथ अदा की। जामा मस्जिद में पहुंचे हजारों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने कहा कि 30 दिन के रोजे के बाद ईद के नमाज पढ़ने का मौका मिला है। ईद का नमाज पढ़ने पहुंचे नमाजदारों ने देश और समाज के लिए अमन और शांति की दुआ की। पाकुड़ जिले में उल फितर के मौके पर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। इसी कड़ी में डीसी मनीष कुमार और एसपी निधि द्विवेदी खुद मैदान में उतरे और शहर के अलग-अलग मस्जिदों, ईदगाहों और प्रमुख चौक-चौराहों का निरीक्षण किया। सुबह से ही दोनों अधिकारियों ने कई इलाकों का दौरा किया और वहां तैनात पुलिस बल को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने खास तौर पर भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत रखने को कहा, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

झारखंड दौरे पर आयेंगे उपराष्ट्रपति, जा सकते हैं खूंटी, आधिकारिक पुष्टि नहीं, एजेंसियां अलर्ट

संवाददाता

रांचीः उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के झारखंड दौरे की चर्चा तेज हो गई है। जानकारों के अनुसार, उप राष्ट्रपति इसी सप्ताह खूंटी आ सकते हैं और भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु जाने की संभावना है। हालांकि, अभी तक इस दौरे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। झारखंड के राज्यपाल रह चुके हैं उपराष्ट्रपतिः इस संभावित दौरे को खास इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का झारखंड से पुराना और गहरा संबंध रहा है। वे इससे पहले झारखंड के राज्यपाल के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। राज्यपाल रहते हुए उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा कर विकास योजनाओं की समीक्षा की थी और विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों के विकास पर जोर दिया था। ऐसे में उनके खूंटी दौरे को लेकर स्थानीय स्तर पर उत्साह देखा जा रहा है।

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट : संभावित दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। प्रशासनिक स्तर पर प्रारंभिक तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं, ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की परेशानी न हो। यदि दौरा तय होता है, तो उप राष्ट्रपति के उलिहातु जाकर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने की संभावना है। उलिहातु ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है, जहां देश-विदेश से लोग श्रद्धा अर्पित करने पहुंचते हैं। उप राष्ट्रपति का यहां आगमन क्षेत्र के विकास और पहचान को नई दिशा दे सकता है।

बैठक कर सकते हैं उपराष्ट्रपतिः सूत्रों का यह भी कहना है कि अपने दौरे के दौरान उप राष्ट्रपति स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर सकते हैं। साथ ही आदिवासी संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेने की भी संभावना है। फिलहाल जिला प्रशासन आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा का इंतजार कर रहा है। पुष्टि होने के बाद विस्तृत कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

ऑफिस में आपकी इमेज खराब कर देंगी ये आदतें

आप ऑफिस में अपना काम तो कम लगाकर करते हैं और आपका काम भी बहुत अच्छा है, लेकिन अगर आपने ये पांच गलतियां की तो सारी मेहनत धरी की धरी रह जाएगी। आपकी कुछ आदतें ऑफिस में आपको बदनाम कर सकती है, अब भले ही आपका काम अच्छा क्यों न हों। आइए जानते हैं ऐसी कौन सी 5 आदतें हैं जिन्हें सुधारना जरूरी है:

- क्या आप उनमें से हैं जो ऑफिस का डेकोरम मेनटेन नहीं रखते। सबसे पहले आप अपने आने का समय चेक कीजिए। क्या आप रोजाना लेट पहुंचते हैं? आपकी यह लेटलतीफी आपकी इमेज को नुकसान पहुंचा सकती है।
- आपने यह बात नोटिस की है कि आप इधर की बातें उधर करते हैं। अगर हां, तो तुरंत ही गॉसिपिंग की आदत छोड़ दें। अगर आप एक सहकर्मी की बुराई दूसरे सहकर्मी के सामने करेंगे तो इससे नेगेटिव इमेज पेश होगी। वहीं ऑफिस का माहौल बिगाड़ने का दोष भी आपके सर पर होगा।
- आपने इस बात को शायद ही सोचा होगा लेकिन ऑफिस में भी आपकी साफ-सफाई की आदतें नोटिस की जाती है। अगर आप अपनी डेस्क अस्त-व्यस्त और साफ नहीं होगी तो दूसरे आपसे कतराएंगे।
- कहीं भी, कुछ भी कहने की आदत आपमें तो नहीं? आपकी बोली में कहीं रूखापन तो नहीं? अगर ऐसा है तो आपको अपने एटिट्यूड को बदलना होगा। आपको सीनियर हो या जूनियर सभी से ऑफिस में विनम्रता से बात करनी चाहिए।
- अगर आप ऑफिस के फोन या फिर अपने मोबाइल पर तेज आवाज में बात करते हैं या फिर आपके मोबाइल की रिंगटोन काफी तेज है तो यह आपके आस-पास बैठे सभी लोगों को डिस्ट्रैक्ट और इरिटेट कर सकता है।

जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं।

कोचिंग इंस्टीट्यूट या ऑनलाइन कोचिंग कौन-सा रास्ता बेहतर

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा को क्रैक करना आसान नहीं होता। इसमें गंभीरता से तैयारी करने और पढ़ाई के प्रति प्रतिबद्ध रहने की जरूरत होती है। फिर चाहे वह बैंकिंग की परीक्षा हो, एसएससी सीजीएल परीक्षा हो या फिर आईएएस/ पीएससी परीक्षाएं हों। जब बात प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की होती है, तो विद्यार्थियों के सामने एक दुविधा यह पेश आती है कि वे किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट से पढ़ाई करें या फिर ऑनलाइन कोचिंग का सहारा लें। स्थिति इस बात से और जटिल हो जाती है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने का कोई एक रास्ता ही नहीं होता। जहां कुछ युवा कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में पढ़कर परीक्षा क्रैक कर देते हैं, वहीं कुछ अन्य युवा ऑनलाइन पढ़ाई करके सफलता पा लेते हैं। ऐसे में यह हर परीक्षार्थी पर निर्भर करता है कि वह अपने लिए कौन-सा रास्ता चुनता है। कोचिंग इंस्टीट्यूट और ऑनलाइन पढ़ाई दोनों के ही सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। आपको चाहिए कि आप इन दोनों पक्षों को तौलकर फैसला करें कि आपके लिए कौन-सा रास्ता मुफीद रहेगा। तो चलिए, इन दोनों ही रास्तों के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर नजर दौड़ाते हैं।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स

परंपरागत तौर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने में कोचिंग इंस्टीट्यूट्स अग्रणी रहे हैं। यहां तक कि कोचिंग उद्योग अपने आप में एक बेहद सफल और कमाऊ उद्योग बन गया है। बड़े से लेकर छोटे शहरों तक में कोचिंग संस्थानों की बहार है। जहां कई विद्यार्थी इन संस्थानों की कोचिंग का लाभ लेकर विभिन्न परीक्षाओं में टॉप करते आए हैं, वहीं ऐसे भी विद्यार्थी हैं, जिन्होंने कोचिंग इंस्टीट्यूट्स पर भारी खर्च किया मगर नतीजा सिफर ही रहा।

मार्गदर्शन

किसी कोचिंग इंस्टीट्यूट में जाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि वहां आपको शिक्षकों का मार्गदर्शन और मेंटरशिप मिलती है। इन संस्थानों में नियुक्त किए जाने वाले शिक्षकों के पास प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी व्यापक अनुभव और ज्ञान होता है। इसलिए वे विद्यार्थियों के हुनर को मांजकर और उनकी कमजोरियों को ताकत में बदलकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सही राह दिखाने में सक्षम होते हैं।

स्टडी मटेरियल

कोचिंग क्लासेज में पैकेज के तहत जो स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया जाता है, वह विशेषज्ञों द्वारा एग्जाम पैटर्न और संपूर्ण सिलेबस के गहराई से अध्ययन के बाद तैयार किया जाता है। इसलिए इस मटेरियल में परीक्षा में महत्व के अनुसार टॉपिक्स कवर किए जाने की अधिक संभावना रहती है।

टाइम मैनेजमेंट, अनुशासन

जो उम्मीदवार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अभी नए हैं, उनके लिए समय प्रबंधन करना और पढ़ाई के मामले में अनुशासन का पालन करना जरा कठिन होता है। फिर यह भी है कि कई युवा अपनी अकादमिक पढ़ाई के साथ-साथ या फिर जॉब के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे युवा यदि कोचिंग इंस्टीट्यूट जॉइन करते हैं, तो यह सुनिश्चित हो जाता है कि वे अपनी तैयारी के लिए एक निश्चित समय और प्रयास हर हाल में देते ही हैं।

ऑनलाइन तैयारी के फायदे

ऑनलाइन पढ़ाई का सबसे बड़ा फायदा यही होता है कि यह उम्मीदवारों में सेल्फ स्टडी को बढ़ावा देती है। कई जानकार मानते हैं कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सेल्फ स्टडी ही श्रेष्ठ होती है। इससे परीक्षार्थी अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार तैयारी की रणनीति बनाता है। साथ ही एक फायदा यह है कि इससे हर परीक्षार्थी अपनी ताकत और कमजोरी को अच्छी तरह पहचान पाता है।

जहां तक स्टडी मटेरियल का सवाल है, ऑनलाइन जगत में इसकी कोई कमी नहीं है। यहां आपको कोचिंग इंस्टीट्यूट्स तथा स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया बेहतरीन स्टडी मटेरियल मिल जाएगा। यही नहीं, यह मटेरियल अलग-अलग फॉर्मेट में उपलब्ध होता है, जिससे परीक्षार्थी के पास अपनी जरूरत के मुताबिक चुनने के लिए विकल्प रहते हैं।

ऑनलाइन तैयारी का एक और फायदा होता है इसका किफायती होना। कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के मुकाबले ऑनलाइन शिक्षा संसाधन कहीं कम दामों पर उपलब्ध होते हैं। कुछ संसाधन तो निशुल्क उपलब्ध होते हैं। यही नहीं, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपके पास यह विकल्प भी होता है कि आप चाहें, तो केवल उतना ही स्टडी मटेरियल, क्वेश्चन पेपर, ऑनलाइन वीडियो आदि खरीदें, जितने की आपको जरूरत है। इस प्रकार भी आपके पैसे की बचत हो सकती है।

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के नुकसान

कमतर शिक्षण स्तर

कोचिंग इंसटीट्यूट्स की अक्सर इस बात के लिए आलोचना की जाती है कि इनमें से कई में शिक्षण का स्तर कमतर होता है। कई कोचिंग संस्थान ऐसे लोगों को अपने यहां पढ़ाने के लिए रख लेते हैं, जो स्वयं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल नहीं हो पाए। ऐसे लोगों के पास भले ही प्रतियोगी परीक्षाओं संबंधी जानकारी और अनुभव हो पर यह कतई जरूरी नहीं कि वे अच्छे शिक्षक भी होंगे। सही टीचिंग तकनीक भी जरूरी होती है।

स्टडी मटेरियल की गुणवत्ता

कोचिंग इंस्टीट्यूट्स का स्टडी मटेरियल परीक्षा के पैटर्न के लिहाज से प्रभावी तो होता है मगर अक्सर कोचिंग संस्थान जो मटेरियल प्रदान करते हैं, वह कालातीत (आउटडेटेड) और परंपरावादी होता है। इधर प्रतियोगी परीक्षाएं साल-दर-साल अधिक कठिन होती जा रही हैं और इनके पैटर्न में बार-बार परिवर्तन हो रहे हैं। ऐसे में पुराने ट्रैंड के अनुसार तैयार किया गया स्टडी मटेरियल परीक्षार्थियों के किसी काम का नहीं रहता।

व्यक्तिगत ध्यान नहीं

कोचिंग संस्थान तगड़ी फीस तो लेते हैं मगर वे क्लासरूम फॉर्मेट में ही काम करते हैं। एक क्लास में जितने अधक विद्यार्थी हों, संस्थान का उतना ही लाभ होता है। ऐसे में कई संस्थान एक-एक क्लास में ढेरों विद्यार्थियों को ठूंस देते हैं। इस कारण विद्यार्थियों की ओर व्यक्तिगत ध्यान देना संभव नहीं रहता।

ऑनलाइन तैयारी

ऑनलाइन एजुकेशन कोचिंग की परंपरा के मुकाबले काफी नया है। आज लिखित स्टडी मटेरियल और ऑडियो-वीडियो संसाधन दोनों ही के रूप में विभिन्ना परीक्षाओं की तैयारी के लिए भरपूर सहायता ऑनलाइन उपलब्ध है। यही कारण है कि ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी ऑनलाइन करना पसंद करते हैं।

ऑनलाइन तैयारी के नुकसान

सीमित पहुंच

ऑनलाइन तैयारी की सबसे बड़ी खामी है इसकी सीमित पहुंच। काफी विस्तार के बावजूद आज भी हमारे देश के कई दूर-दराज हिस्सों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जहां है, वहां भी अक्सर नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। ऐसे में दूर- दराज के छोटे शहरों व गांवों में रहने वाले युवाओं के लिए तो यह पढ़ाई का विश्वसनीय स्रोत नहीं हो सकता।

मेंटरशिप का अभाव

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपको बेहतरीन स्टडी मटेरियल तो मिल सकता है लेकिन यहां मेंटरशिप की कमी बहुत खलती है। किसी ट्यूटर की ओर से व्यक्तिगत ध्यान न मिल पाने के कारण उम्मीदवार अक्सर किसी क्लिष्ट कॉन्सेप्ट को लेकर भ्रमित नजर आते हैं। अपने डाउट क्लियर करने के लिए उनके पास कोई नहीं होता। ऑनलाइन तैयारी में आपको अनुभवी ट्यूटर्स के अनुभव का लाभ नहीं मिल पाता।

जानकारी की बाढ़

इंटरनेट पर दुनिया भर का ज्ञान उपलब्ध है मगर कभी-कभी इसकी यही खासियत इसकी खामी बन जाती है। जब आप यहां कोई खास जानकारी तलाशते हैं, तो आपके पास जरूरी के साथ-साथ बहुत-सी गैर-जरूरी जानकारी की बाढ़ आ जाती है। जानकारी की यह अति परीक्षा की तैयारी में बाधा ही डालती है, जबकि आपको फोकस्ड पढ़ाई करने की जरूरत होती है।

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनिंग का कोर्स करें मिलेगा कॅरियर ग्रोथ

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं।

बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फील्ड 20-30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करेगा। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

सैलरी

इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू करने पर आपको 3 से 5 लाख रुपये सालाना की नौकरी आसानी से मिल जाती है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने पर सालाना

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

खेल की प्रतिभा को निखारने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है : विधायक

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने राजमहल प्रखंड कार्यालय परिसर में नवनिर्मित इंडोर स्टेडियम का उद्घाटन किए। बैडमिंटन खेलकर खिलाड़ियों और युवाओं को प्रेरित करते हुए।उन्होंने कहा कि खेल की प्रतिभा को निखारने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है आउटडोर स्टेडियम के बाद राजमहल को इंडोर स्टेडियम का भी सौगात मिल गया है।बेहतरीन तरीके से इसका संचालन हो और युवा एवं खिलाड़ियों को इसका लाभ मिले,यह संबंधित पदाधिकारी को सुनिश्चित करना है।मौके पर कार्यपालक अभियंता रमाकांत,विधायक प्रतिनिधि सह नपं उपाध्यक्ष मो मारूफ उर्फ गुड्डु,सहायक अभियंता प्रेम कुमार, जिप सदस्य अब्दुल बारीक शेख,झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान,सचिव दुर्गा मंडल,नगर अध्यक्ष मो आजाद,घीसु शेख,विकास यादव,अजय दास,आलोक राय,जाकिर शेख,मो वदुद,श्रवण यादव,सुभाष मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे।

नाबालिग पुत्री की अपहरण कर लेने को लेकर शिकायत दर्ज

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के सुभानपुर भट्टा निवासी धीरज कुमार के ऊपर एक पीड़ित परिवार ने उसकी नाबालिग पुत्री की अपहरण कर लेने को लेकर शिकायत दर्ज करवाया है। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि पीड़ित परिवार ने आवेदन दिया है मामले की छानबीन की जा रही है नाबालिक की बरामदगी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है।

सकरीगली रेलवे स्टेशन के पार्किंग से आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर रेलवे स्टेशन के साइडिंग में खड़ी एक एक्सप्रेस ट्रेन के बंद कोच में बीते दिनों 14 मार्च को थाना क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग किशोरी के साथ महाराजपुर नया टोला निवासी आरोपी युवक प्रमेश कुमार महतो पिता सुखदेव महतो उर्फ भोटला महतो ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद मौके पर से फरार हो गया था।जहां इस मामले को लेकर नाबालिग किशोरी के परिजनों ने रेल थाना साहिबगंज की पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाई थी। उधर रेल थाना पुलिस ने मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ पोक्सो एक्ट में केस दर्ज करने के बाद आरोपी युवक की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी कर रही थी जहां शनिवार को सकरीगली रेलवे स्टेशन के पार्किंग से आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसका सदर अस्पताल में मेडिकल जांच करवाने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

त्वरित कार्रवाई करते हुए 25 केवी का ट्रांसफार्मर लगा और बिजली बहाल

साहिबगंज : सदर प्रखंड के लालबथानी मुसहरी टोला में पिछले 10 दिन से व्याप्त बिजली संकट अब दूर हो गया युवा कांग्रेस राजमहल विधनसभा अध्यक्ष कौसर आलम आलम की पहल पर गांव में 25 केवी का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया।गौरतलब है कि लालबथानी मुसहारी टोला गांव का ट्रांसफार्मर पिछले 10 दिनों से जला हुआ था वर्तमान ऐसे में बिजली न होने के कारण किसानों को मक्का में पानी और रोशनी के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।भीषण गर्मी में बिजली की कमी में ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी थी बिजली संकट गहराने पर ग्रामीणों ने अपनी व्यवस्था युवा कांग्रेस राजमहल विधानसभा कौसर आलम को बताई मामले की गंभीरता और किसानों के खेती के महत्व को देखते हए कौसर अलम ने ग्रामीण को आश्वासन दिया था कि जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराएंगे अपने वादों के अनुरूप उन्होंने विभाग से संपर्क साधा और त्वरित कार्रवाई करते हुए 25 केवी का ट्रांसफार्मर गांव भेजवाया और बिजली बहाल हुई। ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे अंधेरा में डूबे मुसहरी टोला फिर से रोशनी लौट आई ग्रामीणों ने कौसर आलम की त्वरित पहल और जनहित में किए कए गए कार्य के लिए उनका तहे दिल से आभार व्यक्त किया।मौके पर मुख्य रूप से बसकी चौधरी,भारत दास,नरेश दास, रामभजन पासवान,दुल्ला दास,कुन्दन कुमार,संदीप कुमार,पावन कुमार,चंदन कुमार,शंकर चौधरी पप्पू पासवान, आदि उपस्थित रहे।

एलपीजी की कालाबाजारी रोकने को लेकर टीम गठित

दुमका : जिले में एलपीजी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी एवं अवैध जमाखोरी के माध्यम से कृत्रिम कमी उत्पन्न करने तथा ऊँचे दरों पर बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने और एलपीजी वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय टीमों का गठन किया गया है।प्रखंड स्तरीय टीम में संबंधित अंचल के अंचल अधिकारी तथा संबंधित प्रखंड के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को शामिल किया गया है।

यात्रा के दौरान वैध और उचित टिकट के साथ ही यात्रा करें : रेल प्रबंधक

संवाददाता

साहिबगंज : मालदा मंडल द्वारा रेलवे नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने यात्री सुरक्षा को सुदृढ़ करने व राजस्व संरक्षण के उद्देश्य से नियमित रूप से टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में, मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में बड़हरवा साहिबगंज पीरपैंती खंड पर एक विशेष सघन टिकट जांच अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत 13409 मालदा टाउन किऊल इंटरसिटी एक्सप्रेस, 53416 जमालपुर साहिबगंज पैसेंजर 13032 जयनगरझ हावड़ा एक्सप्रेस, 53415 साहिबगंज पैसेंजर 13236 दानापुर साहिबगंज इंटरसिटी एक्सप्रेस तथा 13235 साहिबगंज दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित इस खंड में संचालित अन्य ट्रेनों में भी व्यापक टिकट जांच की गई।यह जांच अभियान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मालदा कार्तिक सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ।जिसमें टिकट जांच

कर्मियों, वाणिज्य निरीक्षकों तथा रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने सक्रिय एवं समन्वित रूप से भाग लिया, जिससे टिकट नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। जबकि सघन अभियान के दौरान कुल 330 अनियमित यात्रा के मामले पकड़े गए। जिससे ₹1,06,580 की जुमार्ना राशि वसूल की गई। जो रेलवे राजस्व की सुरक्षा एवं टिकट नियमों के कड़ाई से अनुपालन को सुनिश्चित करता है।अभियान के दौरान यात्रियों को जागरूक करते हुए डिजिटल माध्यम से टिकट लेने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें आरक्षित एवं अनारक्षित टिकटिंग के लिए डाउनलोड कर उपयोग करने की सलाह भी दी गई। जिससे सरल पेपरलेस एवं पारदर्शी यात्रा को बढ़ावा मिल सके।जांच अभियान के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मालदा कार्तिक सिंह द्वारा करणपुरातो पीरपैंती स्टेशनों के बीच यात्री सुविधाओं का निरीक्षण भी किया गया। ताकि यात्रियों को उपलब्ध सुविधाओं का आकलन किया जा सके।यह पहल मालदा मंडल की बिना टिकट यात्रा पर नियंत्रण रेलवे राजस्व की सुरक्षा और जिम्मेदार यात्रा व्यवहार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा के दौरान वैध व उचित टिकट के साथ ही यात्रा करें।ताकि असुविधा एवं दंड से बचा जा सके।

लिखित आवेदन के बाद भी कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं कर रही पुलिस : पीड़िता

संवाददाता

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज बीच टोला निवासी संजू देवी पति रामप्रवेश यादव ने जमीनी विवाद के पुराने मामले में केस उठाने की धमकी देने व पति व देवर संतु यादव को बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर देने के मामले में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के गोपनीय कार्यालय में शनिवार को लिखित आवेदन देते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। जहां एसपी को दिए गए आवेदन पत्र में पीड़िता महिला ने जिक्र किया है कि बीते दिनों 19 मार्च को उसके पड़ोसी राजेश यादव योगेश यादव आदित्य यादव विक्की यादव, सिक्कू यादव समेत अन्य लोगों ने उसके पति रामप्रवेश यादव को बांस के टुकड़ा से मारकर घायल कर दिया।वही दियारा से काम करके घर लौट रहे उनके देवर संतु

यादव को भी सभी लोगों ने सिर पर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया एवं उसका बाईक को भी नुकसान पहुंचा दिया है।जहां गंभीर रूप से घायल देवर संतु यादव को बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया मगर उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रांची रेफर कर दिया है। उधर इस मारपीट मामले में पीड़िता महिला के द्वारा मुफस्सिल थाना प्रभारी को लिखित आवेदन दिया गया है मगर अब तक कोई भी ठोस कार्यवाही पुलिस के द्वारा नहीं की गई है।जहां पीड़िता महिला ने एसपी से न्याय की गुहार लगाते हुए दोषी लोगों के खिलाफ जल्द से जल्द कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

वाहन में तीन सांड बेहोश अवस्था में पाए गए

संवाददाता

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के सरायपुरा गांव में शुक्रवार देर रात गो तस्करी का एक मामला सामने आया, जब तस्करों की एक पिकअप वाहन कीचड़ में फंस गई।वाहन को निकालने के काफी प्रयास के बाद भी जब सफलता नहीं मिली,तो तस्कर मौके पर ही गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। बताया जाता है कि रात करीब एक बजे ग्रामीणों ने सड़क किनारे नाले के पास एक पिकअप वाहन को फंसा हुआ देखा। पास जाकर जांच करने पर वाहन में तीन सांड और दो गाय लदी मिलीं।यह दृश्य देखते ही गांव में खबर फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना तीनपहाड़ थाना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही एसआई नारद गहलोत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और वाहन

की जांच की।जांच के दौरान वाहन से कुछ कागजात और एक आधार कार्ड बरामद हुआ है।जिसके आधार पर तस्करों की पहचान की कोशिश की जा रही है।ग्रामीणों के अनुसार,वाहन नई थी और उस पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी हुई थी।वहीं वाहन में मौजूद तीन सांड बेहोश अवस्था में पाए गए जिनका इलाज पशु चिकित्सक द्वारा कराया गया।स्थानीय लोगों का कहना है। कि गो तस्कर पुलिस से बचने के लिए इन दिनों ग्रामीण सड़कों का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से भी सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए।लोगों ने क्षेत्र में बढ़ती गो तस्करी पर चिंता जताते हुए पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

युवाओं में देशभक्ति की भावना के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के प्रति गहरी जागरूकता पैदा करना है : अनिल

शहीदी दिवस पर गूंजेगा संकल्प माय भारत मेरी जिम्मेदारी

संवाददाता

साहिबगंज : भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत ह्यमाय भारतह्न प्लेटफॉर्म द्वारा इस वर्ष शहीदी दिवस के अवसर पर साहिबगंज के सभी 9 प्रखंड में एक व्यापक राष्ट्रव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार की गई है।23 मार्च 1931 को महान क्रांतिकारी भगत सिंह,शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर ने मातृभूमि की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर किए थे।उन्हीं अमर बलिदानियों की स्मृति और सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के प्रति गहरी जागरूकता पैदा करना है,ताकि वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बन सकें।इस वर्ष के आयोजनों की मुख्य विशेषता ह्यमाय भारत,मेरी जिम्मेदारीह्न थीम है,जिसके तहत 23 मार्च को साहिबगंज सदर प्रखंड में एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा।इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में युवा शामिल होकर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और राष्ट्र सेवा का

संकल्प लेंगे। कार्यक्रमों की यह श्रृंखला 19 मार्च से ही डिजिटल क्विज और रील मेकिंग जैसी नवाचारपूर्ण प्रतियोगिताओं के साथ शुरू हो चुकी है।इसके अतिरिक्त,22 मार्च को ह्यमाय भारत सिविक सेंस चैलेंजह्न के अंतर्गत स्वच्छता,सड़क सुरक्षा और श्रमदान आधारित जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी।जो युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व का पाठ सिखाएंगी।माय भारत के कार्यक्रम लेखा सहायक पदाधिकारी अनिल कुमार ने कहा कि शहीदों का बलिदान केवल स्मरण का विषय नहीं है,बल्कि यह हम सभी के लिए अपने कर्तव्यों को समझने की एक बड़ी प्रेरणा है।उन्होंने जोर देकर कहा कि इस अभियान के माध्यम से शहीदी दिवस को एक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है,जहां युवा केवल दर्शक की भूमिका में न रहकर ह्यपरिवर्तन के वाहकह्न बनेंगे।इन आयोजनों के माध्यम से पूरे साहिबगंज जिले में एकता,अनुशासन और जिम्मेदार नागरिकता का एक सशक्त संदेश प्रसारित किया जाएगा,जो एक समृद्ध और विकसित भारत की नींव को और मजबूत करेगा।

प्रो.रामकुमार सिंह को मिला एसकेएमयू के कुलपति का प्रभार

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मु विश्वविद्यालय, दुमका के कुलपति का प्रभार बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति प्रो. राम कुमार सिंह को सौंपा गया है। विदित हो कि सिदो कान्हु मुर्मु विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ हैं तथा वर्तमान में उपचाररत हैं। उनके अस्वस्थ रहने के कारण विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों के संचालन में कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही थीं। इस परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लोकभवन से आवश्यक दिशा-निर्देश का अनुरोध किया गया था। प्राप्त निर्देशों के आलोक में लोकभवन सचिवालय, रांची द्वारा बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति प्रो. राम कुमार सिंह को सिदो कान्हु मुर्मु विश्वविद्यालय के कुलपति का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया है।

मुस्लिम धर्मावलंबियों ने हर्षोल्लास से मनाई ईद

संवाददाता

साहिबगंज : मुस्लिम धर्मावलंबियों का ईद उल फितर शनिवार को जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।बारिश के खलल के बावजूद लोगों में उत्साह चरम पर था।शुक्रवार को देर रात से शुरू हुई बारिश अहले सुबह तक हुई। जिसके चलते ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज अदा नहीं की जा सकी।ऐसे में जिले भर की मस्जिदों में लोगों ने ईद उल फितर की नमाज अदा कर अल्लाह का शुक्र अदा किया।सुबह बारिश रुकने के बाद लोगों ने नमाज की तैयारी शुरू की।इसके बाद निर्धारित समयानुसार ईद की नमाज अदा की गयी।नमाज के बाद लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी।कुलीपाड़ा मस्जिद के पेश ईमाम हाफिज अबरार हुसैन ने बताया कि ईद की नमाज के बाद सभी मस्जिदों में मुल्क व दुनिया में शांति व अमन की दुआ की गयी।उन्होंने अपनी तकरीर में कहा कि

लोग रमजान से मिले सबक से जीवन शैली में सुधार लाएं।कहा कि अल्लाह अपने बंदों से बेपनाह मोहब्बत करता है।इंसान को इंसानियत सिखाने के लिए उसने रमजान जैसा मुबारक महीना अता किया।रमजान इंसान को इंद्रियों पर कंट्रोल करना सिखाता है।बुराइयों व व्यभिचारों से बचना सिखाता है। भाईचारगी और मोहब्बत सिखाता है। सबके सुख-दुख में साथ रहना सिखाता है।इधर तकरीर के बाद ईद की नमाज अदा की गई।नमाज के बाद लोगों ने देश व दुनिया में अमन शांति,भाईचारगी व देश की तरक्की के लिए दुआ की।लोगों ने एक दूसरे को गले लगा कर ईद की मुबारकबाद दी।वहीं शहर के सकरुगढ़, हबीबपुर,कुलीपाड़ा,बिचला टोला, दहला,अली नगर सहित अन्य मोहल्ले मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई।कुलीपाड़ा मस्जिद में पेश इमाम हाफिज अबरार हुसैन,मस्जिद ए मुस्तफा में हाफिज महमूद,हबीबपुर मस्जिद में मौलाना अब्दुल बारी सहित अन्य मस्जिदों में वहां के पेश इमाम ने नमाज पढ़ाई।

सुरक्षा का रहा व्यापक इंतजाम

ईद उल फितर के अवसर पर जिले भर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे।डीसी हेमंत सती,एसपी अमित कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी कंट्रोल रूम से चप्पे-चप्पे पर नजर रख रहे थे।सभी ईदगाह व मस्जिदों के आसपास दंडाधिकारी व सुरक्षा बलों की तैनाती थी। ड्रोन व सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की गई।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026: हरियाणा 95 पदकों के साथ बना ओवरऑल चैंपियन

एजेंसी

भुवनेश्वर : 24वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसमें हरियाणा ने 95 पदकों के साथ ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 17 से 21 मार्च तक भुवनेश्वर में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के पैरा एथलीट्स ने दमदार प्रदर्शन किया। हरियाणा ने कुल 95 पदक जीते, जिसमें 39 स्वर्ण, 31 रजत और 25 कांस्य शामिल हैं। तमिलनाडु 51 पदकों (14 स्वर्ण) के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि गुजरात 30 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मेजबान ओडिशा 17 पदकों के साथ नौवें स्थान पर रहा। इस चैंपियनशिप में 28 राज्यों के 1,460 पैरा एथलीट्स ने भाग लिया। इसके अलावा बीएसएफ और एसएससीबी की टीमों ने भी 145 स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। पुरुष डिस्कस थ्रो एफ11 में हरियाणा के मोनू घांगस ने 35.05 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं, एफ51झएफ53 वर्ग में उत्तर प्रदेश के राम रतन सिंह ने 11.98 मीटर के साथ पहला स्थान हासिल किया। महिला लॉन्ग जंप टी11-टी12 में गुजरात की दमोर तेजलबेन अमराजी ने 4.95 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। महिला जैवलिन थ्रो एफ12झएफ13 में अरुणाचल प्रदेश की किपा मेरो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ट्रैक इवेंट्स में गुजरात के भट्ट राकेशभाई ने पुरुष 200 मीटर टी37 में स्वर्ण जीता, जबकि महाराष्ट्र के अभिषेक बाबासाहेब जाधव ने 200 मीटर टी35 में पहला स्थान हासिल किया। लंबी दूरी की दौड़ में हिमाचल प्रदेश के सौरभ शर्मा और हरियाणा के अंकुर धामा ने 5000 मीटर स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते। ओडिशा की सुचित्रा परिडा ने महिला जैवलिन थ्रो ऋ56 में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, पुरुष डिस्कस थ्रो एफ64 में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने दबदबा दिखाते हुए कार्तिक चाहल और सागर थयात ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। इस चैंपियनशिप ने देश में पैरा खेलों की बढ़ती लोकप्रियता और खिलाड़ियों के उच्च स्तर के प्रदर्शन को दर्शाया। हरियाणा की इस शानदार जीत ने एक बार फिर साबित किया कि राज्य पैरा एथलेटिक्स में अग्रणी बना हुआ है।

आईपीएल 2026: केकेआर को बड़ा झटका, आकाश दीप पूरे सीजन से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप लोअर बैक स्ट्रेस इंजरी से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और उन्हें पूरे सीजन से बाहर कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पूरी तरह फिट होने में अभी करीब तीन महीने और लगेंगे। आकाश दीप टीम के प्री-सीजन कैंप का हिस्सा नहीं थे और वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन कर रहे थे। उनकी गैरमौजूदगी से केकेआर के तेज गेंदबाजी आक्रमण की चिंताएं

और बढ़ गई हैं। टीम के एक और तेज गेंदबाज हर्षित राणा भी लगभग बाहर माने जा रहे हैं, जबकि मथीशा पथिराना टूर्नामेंट के पहले हिस्से के कुछ मैच मिस कर सकते हैं। ऐसे में टीम के पास अनुभव और उपलब्धता दोनों की कमी नजर आ रही है। केकेआर ने इससे पहले मुस्तफिजुर रहमान की जगह ब्लेसिंग मुजारबानी को टीम में शामिल किया था, लेकिन इसके बावजूद तेज गेंदबाजी विभाग कमजोर दिख रहा है। फिलहाल भारतीय तेज गेंदबाजों में वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक और कार्तिक त्यागी टीम के विकल्प हैं, जबकि कैमरून ग्रीन ऑलराउंडर के रूप में तेज गेंदबाजी का विकल्प देते हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमी को देखते हुए फ्रेंचाइजी एक भारतीय तेज गेंदबाज की तलाश में ट्रायल भी आयोजित कर रही है।

ऋतिक रोशन ने मांगी प्रोड्यूसर बनने की टिप्स

करण जौहर ने दिया दिलचस्प जवाब

बॉलीवुड में अक्सर देखा जाता है कि बड़े स्टार्स सिर्फ अभिनय तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि समय के साथ फिल्म बनाने की जिम्मेदारी भी अपने हाथ में लेना चाहते हैं। इसी कड़ी में अब ऋतिक रोशन का नाम भी जुड़ता नजर आ रहा है। इस बीच अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के इवेंट के दौरान ऋतिक ने प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखने के लिए इंडस्ट्री के जाने-माने फिल्ममेकर करण जौहर से सलाह मांगी। दरअसल, प्राइम वीडियो के इवेंट में ऋतिक रोशन अपने दो नए ओटीटी शोज 'मैस' और 'स्ट्रॉम' के लॉन्च के लिए पहुंचे। स्टेज पर बातचीत के दौरान ऋतिक ने करण जौहर की जमकर तारीफ की और उन्हें अब तक का सबसे बेहतरीन प्रोड्यूसर बताया। इसके बाद उन्होंने करण से सीधे तौर पर पूछा कि अगर वह प्रोड्यूसर बनना चाहें, तो उन्हें क्या करना चाहिए? ऋतिक की बात सुनकर करण जौहर काफी खुश नजर आए और उन्होंने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। करण ने कहा कि ऋतिक को किसी खास ट्रेनिंग की जरूरत नहीं है, क्योंकि वह बचपन से ही फिल्मी माहौल में पले-बढ़े हैं। करण ने कहा कि ऋतिक के पिता राकेश रोशन खुद एक सफल फिल्ममेकर रहे हैं और ऋतिक ने खुद भी अपने करियर की शुरुआत बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर की थी। वह शुरुआत से एक प्रोड्यूसर बनने के लिए तैयारी करते रहे हैं। करण जौहर की यह बात सुनकर ऋतिक रोशन भी मुस्कुराते हैं और कहते हैं कि अब उन्हें काफी अच्छा महसूस हो रहा है। इवेंट के दौरान ऋतिक ने अपने दोनों नए शोज के बारे में भी बात की। 'मैस' एक ऐसे ग्रुप की कहानी है जो चोरी के इरादे से एक घर में घुसता है, लेकिन वहां हालात ऐसे बन जाते हैं कि उन्हें खुद अपनी जान बचानी पड़ती है। वहीं, 'स्ट्रॉम' पांच महिलाओं की कहानी है। यह एक हाउसिंग प्रोजेक्ट के घोटाले पर आधारित है। ये दोनों कहानियां दर्शकों को रोमांच और सस्पेंस से भरपूर अनुभव देने वाली हैं।

जुबीन गर्ग मौत मामले में तेज होगी सुनवाई

फास्ट-ट्रैक कोर्ट रोजाना करेगा ट्रायल

असम सरकार ने चर्चित सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में एक विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाया है, जो रोजाना इस केस की सुनवाई करेगा। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने दी। सीएम सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए इसे न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इस फैसले से केस की प्रक्रिया तेज होगी और लंबे समय तक चलने वाली देरी से बचा जा सकेगा। सीएम सरमा ने अपने पोस्ट में कहा, ''आज जुबीन गर्ग मर्डर केस में इंसाफ की हमारी मिलकर की गई कोशिश में एक अहम पड़ाव है। गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने बक्सा जिले की जिला जज शर्मिला भुयान को फास्ट-ट्रैक कोर्ट का जिम्मा सौंपा है। यह कोर्ट इस मामले पर रोजाना ट्रायल करेगा, जिससे न्याय प्रक्रिया में तेजी आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस तरह की पहल से न्याय व्यवस्था और मजबूत होगी। मैं जस्टिस आशुतोष कुमार और चीफ जस्टिस का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने राज्य सरकार के अनुरोध को स्वीकार करते हुए इस विशेष अदालत के गठन को मंजूरी दी। जुबीन गर्ग की मौत 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में सेंट जॉन्स आइलैंड के पास समुद्र में डूबने से हुई थी। शुरुआत में स्कूबा डाइविंग दुर्घटना बताई गई, लेकिन बाद में सामने आया कि वे लाइफ जैकेट के बिना तैर रहे थे और बेहोश होकर डूब गए। हालांकि, उनकी मौत को लेकर विवाद और हत्या की साजिश के आरोप भी सामने आए, जिसके बाद विस्तृत जांच की मांग उठी।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया

करण जौहर बोले- 'मुझे तुम पर गर्व है'

बॉलीवुड में लंबे समय से 'इनसाइडर वर्सेस आउटसाइडर' की बहस चलती रही है। ऐसे में जब भी कोई बड़ा स्टार नए टैलेंट को आगे बढ़ाने की बात करता है तो वह चर्चा का विषय बन जाता है। अब इसी कड़ी में अभिनेत्री आलिया भट्ट का बयान सामने आया है, जिसने इस बहस को एक नई दिशा दे दी है। आलिया ने कहा कि वह अपने प्रोडक्शन के जरिए आउटसाइडर्स को लॉन्च करेंगी। दरअसल, आलिया भट्ट शुक्रवार को अपनी नई प्रोडक्शन फिल्म 'डोंट बी शाई' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं। यह फिल्म अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के एक बड़े इवेंट के दौरान पेश की गई, जहां कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा भी हुई। इसी दौरान स्टेज पर आलिया और फिल्ममेकर करण जौहर के बीच एक दिलचस्प बातचीत देखने को मिली, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। इवेंट में करण जौहर ने हल्के-फुल्के अंदाज में आलिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब एक समझदार और अनुभवी प्रोड्यूसर बन गई हैं। उन्होंने कहा, ''आलिया, आपने सच में प्रोड्यूसर होने की कला में महारत हासिल कर ली है, क्योंकि आपके जवाब मेरे सवालों से बहुत अलग लगते हैं। आलिया ने इसका जवाब देते हुए कहा, ''हां करण, क्योंकि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका होता है। करण जौहर ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए मजाक में कहा कि शायद उन्हें एक्टर्स को लॉन्च करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। यह कहते हुए कि उन्होंने जब आलिया को अपने प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बारे में याद दिलाया और कहा कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए उन्हें लॉन्च किया था तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, ''अच्छा, मैं क्या कह सकती हूं? सबसे अच्छे लोगों ने हमें हमेशा सिखाया है कि हर चीज की एक टाइमिंग होती है। इसी दौरान करण जौहर ने एक अहम सवाल पूछा कि क्या आलिया जिन कलाकारों को लॉन्च करने जा रही हैं, वे 'आउटसाइडर्स' हैं। इस पर आलिया ने बिना किसी हिचकिचाहट के 'हां' कहा।

एक्शन स्टार चक नॉरिस का निधन

- **अक्षय कुमार बोले - उनकी फिल्मों से बहुत कुछ सीखा**

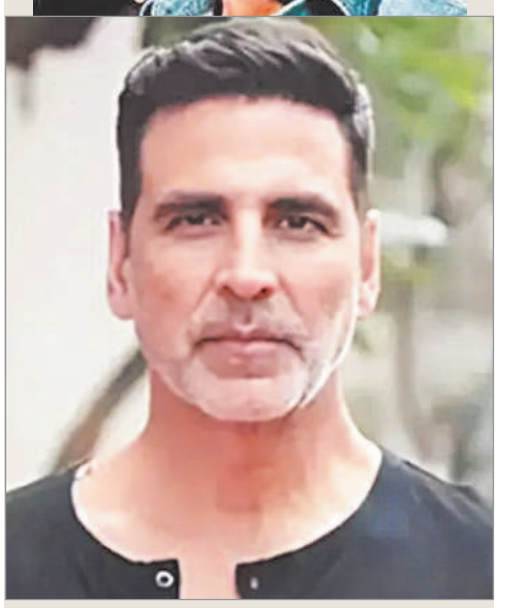

अमेरिकी मार्शल आर्टिस्ट और एक्शन स्टार चक नॉरिस का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एक्शन स्टार के निधन की जानकारी दी। चक नॉरिस को 19 मार्च को हवाई में इमरजेंसी के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था, लेकिन अगले दिन उनका निधन हो गया। फिल्म जगत के तमाम सितारों ने उनके निधन पर शोक जताया। अभिनेता अक्षय कुमार ने चक नॉरिस के निधन पर दुख जताते हुए श्रद्धांजलि दी। अक्षय ने कहा कि चक की फिल्में देखना उनके लिए सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि शिक्षा भी थीं। अक्षय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'मार्शल आर्टिस्ट के रूप में बड़े होते हुए, 'वे ऑफ द ड्रैगन', 'मिसिंग इन एक्शन' और अन्य फिल्मों में चक नॉरिस को देखना मनोरंजन से ज्यादा शिक्षा थी। स्क्रीन पर उनका अनुशासन, ताकत और सहज नियंत्रण मेरे साथ हमेशा रहा। उस प्रेरणा के लिए आभारी हूं, जिसने मेरे व्यक्तित्व का हिस्सा गढ़ा। चक नॉरिस ने साल 1968 में 'द रेकिंग क्रू' से फिल्मों में डेब्यू किया, जहां वह बॉडीगार्ड के किरदार में नजर आए थे। 1972 में ब्रूस ली के साथ 'रिटर्न ऑफ द ड्रैगन', जिसे 'वे ऑफ द ड्रैगन' भी कहा जाता है, में नजर आए, जिसमें उनकी आइकॉनिक फाइट सीन आज भी याद की जाती है। उन्होंने 'मिसिंग इन एक्शन', 'द डेल्टा फोर्स' जैसी 20 से ज्यादा फिल्मों में काम किया।

लैक्मे फैशन वीक में

माहिका शर्मा बनीं शोस्टॉपर, अनामिका खन्ना के 'इम्परफेक्ट फ्लावर्स' कलेक्शन ने लूटी महफिल

मुंबई में लेकमे फैशन वीक के पहले दिन मॉडल माहिका शर्मा ने अपना जलवा बिखेरा। उन्होंने डिजाइनर अनामिका खन्ना के लिए शोस्टॉपर बनकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। माहिका शर्मा ने रैंप पर व्हाइट फ्लोई ड्रेप आउटफिट में बेहद ग्रेसफुल एंट्री ली। उनके लुक को खास बनाने के लिए उन्होंने फ्रिल्स वाला कस्टमाइज्ड हैंडबैग कैरी किया, साथ में फ्रिल्ड फुटवियर और ड्रॉप ईयररिंग्स पहने। बालों को उन्होंने साफ-सुथरे बन में बांधा था, जिसमें सामने की ओर कुछ लटें खुली रखी थीं। मीडिया से बात करते हुए महिएका ने बताया कि यह दूसरी बार है जब वह अनामिका खन्ना के लिए रैंप वॉक कर रही हैं, लेकिन इस बार वह उनके लिए एक्सक्लूसिव थीं।

'हीरामंडी' के बाद नई उड़ानः

ताहा शाह बदुशा अब करण जौहर की 'नजदीकियां' में आएंगे नजर

आज के दौर में ओटीटी और फिल्मों की दुनिया तेजी से बदल रही है, और इसी बदलते समय में कुछ कलाकार ऐसे भी हैं जो धीरे-धीरे अपनी मेहनत से मजबूत पहचान बना रहे हैं। ताहा शाह बदुशा उन्हीं नामों में से एक बनकर उभर रहे हैं। संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने दमदार अभिनय से उन्होंने दर्शकों का ध्यान खींचा। अब वह एक बार फिर बड़े प्रोजेक्ट के साथ लौट रहे हैं, और ये प्रोजेक्ट है करण जौहर का। दरअसल, ताहा शाह बदुशा ने करण जौहर के नए प्रोजेक्ट 'नजदीकियां' को साइन किया है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों और भावनाओं पर आधारित बताई जा रही है, जो आज के दर्शकों को काफी हद तक अपनी जिंदगी से जुड़ी हुई महसूस हो सकती है। इस प्रोजेक्ट में ताहा के साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और निकिता दत्ता भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर अभी से दर्शकों के बीच उत्सुकता देखी जा रही है। इस खास मौके पर ताहा शाह बदुशा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह उनके लिए बेहद खास पल है। उन्होंने कहा, 'आज का दिन मेरे लिए बहुत खास है। धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'गिप्पी' का हिस्सा बनने से लेकर अब करण जौहर के साथ दोबारा काम करना, यह सच में एक फुल-सर्कल जर्नी जैसा लग रहा है। संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के बाद, मैं 'नजदीकियां' के जरिए एक बिल्कुल नए स्पेस को एक्सप्लोर करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं आभारी हूं और बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि लोग मेरे इस नए काम को देखें। ' अगर ताहा शाह बदुशा के करियर पर नजर डालें, तो उन्होंने शुरुआत साल 2011 में फिल्म 'लव का दी एंड' से की थी। इसके बाद वह 2013 में 'गिप्पी' में नजर आए, जहां उनके अभिनय को सराहा गया और इंडस्ट्री के बड़े लोगों ने भी उनके काम की तारीफ की। 2015 में उन्होंने 'बरखा' में काम किया। इसके बाद 2016 में वह करण जौहर की फिल्म 'बार-बार देखो' में नजर आए, 2017 में 'रांची डायरीज' में उनका काम देखने को मिला।

तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स में रश्मिका का जलवा

राज्य स्तर का सम्मान पाकर हुईं भावुक

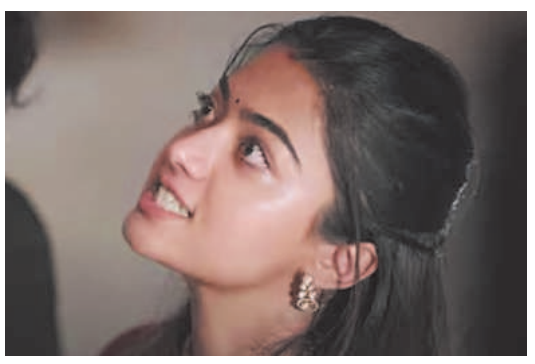

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने तेलुगु फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' के लिए 'तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स' में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार अपने नाम किया। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अवॉर्ड मिलने की खुशी फैंस के साथ जाहिर की। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अवॉर्ड के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं। कुछ तस्वीरों में रश्मिका की सास, विजय देवरकोंडा की मां, भी नजर आ रही हैं। विजय की मां हाथ में अवॉर्ड लिए हुए हैं, तो रश्मिका उन्हें प्यार से गले लगाए हुए हैं। उनका लुक काफी एलिगेंट लग रहा है। तस्वीरें देख रश्मिका की खुशी साफ झलक रही है। अभिनेत्री ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, 'बचपन में जब मैं किसी को राज्य स्तर पर अवॉर्ड जीतते देखती थी, तो उन्हें देखकर सुपरस्टार जैसा लगता था। मैं सोचती थी कि उन्होंने यह सम्मान कैसे हासिल किया होगा और उनका दिन कैसा होता होगा, लेकिन अब राज्य स्तर का अवॉर्ड मिलने पर वो खुशी का एहसास हो रहा है।

विधानसभा चुनाव 2026 : चांपदानी का चुनावी समीकरण बदल : मुद्दे भारी या सियासी रणनीति?

एजेंसी

हुगली : जिले की चांपदानी विधानसभा सीट इस बार महज राजनीतिक टक्कर तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय समस्याएं चुनावी विमर्श के केंद्र में आ गई हैं। डीवीसी खाल की गंदगी, मच्छरों का बढ़ता प्रकोप, जर्जर बुनियादी ढांचा और रोजगार का संकट यहां के मतदाताओं के लिए अहम मुद्दे बन चुके हैं। इलाके से होकर गुजरने वाली डीवीसी खाल (नहर) की स्थिति लंबे समय से खराब है। इसमें जमा कचरा और ठहरा पानी अब गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या का रूप ले चुका है। चांपदानी नगरपालिका के चेयरमैन सुरेश मिश्रा के अनुसार, खाल की लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, जिससे हर साल डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बना रहता है। मानसून के बाद खाल किनारे बसे इलाकों में हालात और खराब हो जाते हैं। मच्छरों का बढ़ता प्रकोप स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुका है। नगर पालिका द्वारा फॉगिंग और सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन कई वार्डों में इसका असर सीमित नजर आता है। निवासियों का कहना है कि शाम के समय बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है और स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। बुनियादी ढांचे की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। कई इलाकों में सड़कें जर्जर हैं, नालियों की नियमित सफाई नहीं होती और जलनिकासी व्यवस्था कमजोर है। बारिश के दौरान जलभराव आम समस्या बन जाती है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित होता है। रोजगार का संकट भी चुनावी मुद्दों में प्रमुखता से उभरा है। चांपदानी और आसपास के क्षेत्रों में पहले सक्रिय कई छोटे-बड़े उद्योग बंद हो चुके हैं या कमजोर पड़ गए हैं जिससे स्थानीय युवाओं के रोजगार हेतु पलायन की प्रवृत्ति बढ़ी है। चांपदानी की जनसंख्या संरचना भी चुनावी समीकरण को प्रभावित करती है। इस विधानसभा क्षेत्र में लगभग ढाई लाख मतदाता हैं, जिनमें अल्पसंख्यक समुदाय की हिस्सेदारी करीब 35 प्रतिशत मानी जाती है। इसके अलावा हिंदीभाषी, बंगाली और प्रवासी श्रमिकों का मिश्रित वोट बैंक चुनाव को बहुआयामी बनाता है। ऐसे परिदृश्य में तृणमूल कांग्रेस के अरिंदम गुईन, भाजपा के दिलीप सिंह और माकपा के चंद्रनाथ बनर्जी के बीच मुकाबला दिलचस्प हो गया है। हालांकि कांग्रेस ने अब तक अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, जिससे उसके समर्थकों और संभावित वोट बैंक में अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि भी इस चुनाव को रोचक बनाती है। अरिंदम गुईन स्नातक हैं और उनकी मजबूत सांगठनिक पकड़ मानी जाती है। भाजपा के दिलीप सिंह दसवीं पास हैं, लेकिन ह्रबाहरी उम्मीदवारह्व का मुद्दा और पार्टी के भीतर गुटबाजी उनके लिए चुनौती बन रही है। वहीं, चंद्रनाथ बनर्जी पेशे से अधिवक्ता हैं और मजदूरों के मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं, हालांकि माकपा की कमजोर सांगठनिक स्थिति उनके लिए बाधा बनी हुई है। पिछले चुनावी आंकड़े इस सीट के बदलते राजनीतिक मिजाज को दशार्ते हैं। वर्ष 2011 में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच गठबंधन था, जिसके तहत तृणमूल कांग्रेस ने करीब 57 प्रतिशत वोट हासिल किए थे, जबकि माकपा को लगभग 35 प्रतिशत और भाजपा को करीब पांच प्रतिशत वोट मिले थे।वर्ष 2016 में वाम-कांग्रेस गठबंधन के तहत कांग्रेस को करीब 44 प्रतिशत वोट मिले, जबकि तृणमूल कांग्रेस को लगभग 40 प्रतिशत और भाजपा को करीब 13 प्रतिशत वोट हासिल हुए। 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने बढ़त बनाते हुए करीब 50 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि भाजपा का वोट शेयर बढ़कर लगभग 35 प्रतिशत हो गया। कांग्रेस का वोट शेयर घटकर करीब 11 प्रतिशत रह गया। उल्लेखनीय है कि 2016 और 2021 में वाम और कांग्रेस के बीच गठबंधन का असर चुनावी नतीजों पर पड़ा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार भाजपा के सामने अंदरूनी गुटबाजी एक बड़ी चुनौती बन सकती है, जबकि तृणमूल कांग्रेस अपनी सांगठनिक मजबूती के सहारे बढ़त बनाए रखने की कोशिश में है। माकपा के लिए यह चुनाव अपने खोए जनाधार को पुनर्जीवित करने का अवसर माना जा रहा है।

बिलासपुर में आज साक्षरता आकलन परीक्षा, 40065 शिक्षार्थी होंगे शामिल

एजेंसी

बिलासपुर : छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आज रविवार को आकलन परीक्षा आयोजित की जाएगी, इस परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिले में 961 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें 10705 पुरुष एवं 29348 महिला तथा 12 ट्रांसजेंडर शामिल होंगे। परीक्षा का समय प्रातः 10 बजे से शाम 05 बजे तक निर्धारित किया गया है। जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के अनुसार, यह परीक्षा उन 15 वर्ष से अधिक आयु के शिक्षार्थियों के लिए आयोजित की जा रही है, जिन्होंने उल्लास साक्षरता केंद्रों में पढ़ना-लिखना तथा सामान्य गणित (जोड़, घटाव, गुणा, भाग) का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। जिला परियोजना अधिकारी ने बताया कि शिक्षार्थियों के नियमित कार्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के समय को लचीला बनाया गया है। प्रतिभागी अपने रोजी मजदूरी कार्य से समय निकालकर सुबह 10 बजे से शाम 05 बजे के बीच किसी भी समय परीक्षा केन्द्रों में पहुँच कर परीक्षा देकर अपनी साक्षर होने का आकलन करा सकते हैं।जिला प्रशासन ने सभी परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ केंद्राध्यक्षों तथा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए ब्लॉक और ग्राम स्तर पर समन्वय समितियाँ सक्रिय की गई हैं।इस हेतु सयुंक्त संचालक शिक्षा , ने विशेष ऑब्जर्वर की नियुक्ति की है तथा जिला स्तर पर भी जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी विकासखंडों के लिये निरिक्षण दल बनाए है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य शिक्षार्थियों के बुनियादी पढ़ाई-लिखाई और संख्यात्मक ज्ञान का मूल्यांकन करना है, ताकि उन्हें साक्षर होने का प्रमाण पत्र दिया जा सके मूल्यांकन परीक्षा में पढ़ना लिखना एवं सामान्य गणित का आकलन किया जाता है` सभी परीक्षा केन्दों में प्रश्न पत्रों का सील बंद पैकेट केंद्राध्यक्षों की निगरानी में रखवाई जा चुकी है ।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 100 से ज्यादा रॉकेट दागे, गोलीबारी में सैकड़ों लोग विस्थापित

एजेंसी

काबुल : पाकिस्तान ने पिछले तीन दिनों में अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में 100 से ज्यादा रॉकेट दागे हैं। इससे आम नागरिकों के घरों को नुकसान पहुंचा है। अफगानिस्तान के कुनार प्रांत के अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि पिछले तीन दिनों में पाकिस्तान ने नारी और मनोगई जिलों को निशाना बनाकर संघर्ष विराम (सीज फायर) का उल्लंघन किया है। पाकिस्तान सेना की गोलीबारी से आजिज सैकड़ों लोग विस्थापित हो गए हैं। कुनार प्रांत अफगानिस्तान के पूर्वोत्तर में है। यह पाकिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। यह क्षेत्र हिंदू कुश पर्वत श्रृंखलाओं और कुनार नदी घाटी के लिए जाना जाता है। अपनी दुर्गम पहाड़ी भौगोलिक स्थिति के कारण सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कुनार के उत्तर में नूरिस्तान प्रांत , पश्चिम में लघमान और दक्षिण में नंगरहार प्रांत हैं। तुलूअ न्यूज (टोलो न्यूज) की रिपोर्ट के अनुसार, कुनार सूचना और संस्कृति विभाग के सूचना प्रमुख जिया-उर-रहमान स्पिन घर ने कहा, " संघर्ष विराम के दौरान पाकिस्तान ने नारी और मनोगई जिलों में काल्पनिक डूरंड रेखा के पास के इलाकों में 100 से अधिक रॉकेट हमले किए। इससे कई निवासियों को आर्थिक नुकसान हुआ, हालांकि किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।" नूरिस्तान के गवर्नर के प्रवक्ता फरीदौन समीम ने कहा, "पहले प्रतिदिन दर्जनों वाहन इस रास्ते का इस्तेमाल करते थे और एम्बुलेंस भी यहां से गुजरती थीं। अब पाकिस्तान की सेना लोगों को यात्रा करने की अनुमति नहीं देती है। जो कोई भी इस रास्ते का इस्तेमाल करता है उस पर गोलीबारी की जाती है।" इस बीच, नूरिस्तान के कामदेश और बर्ग-ए-मतल जिलों के निवासियों का कहना है कि संघर्ष के कारण सड़कें बंद हो गई हैं। इससे उन्हें गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रा के दौरान पाकिस्तान की सेना उन्हें निशाना बनाती है। एक निवासी ने कहा, "जो कोई भी नूरिस्तान जाने के लिए इस रास्ते का इस्तेमाल करता है उस पर गोली चलाई जाती है और उसे आगे जाने की अनुमति नहीं दी जाती है।" कुनार केअधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान की सेना की छिटपुट गोलाबारी के कारण काल्पनिक डूरंड रेखा के पास के इलाकों से लगभग 7,500 परिवार विस्थापित हो गए हैं और अब कुनार नदी के किनारे तंबुओं में रह रहे हैं।

बांग्लादेश में ट्रेन और बस की टक्कर में 12 की मौत, 20 घायल

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश में ढाका-चटगांव मार्ग पर आज तड़के कोमिला के पादुआ बाजार लेवल क्रॉसिंग पर ट्रेन और बस की टक्कर में 12 लोगों की जान चली गई । इस हादसे में 20 लोग घायल हो गए। इस दुर्घटना के बाद ढाका-चटगांव मार्ग पर तीन घंटे तक ट्रेनों का परिचालन निलंबित रहा। मृतकों में सात पुरुष, तीन महिला और दो बच्चे शामिल हैं। सूचना पाकर सेना, पुलिस, अग्निशमन सेवा और रेड क्रिसेंट के सदस्य पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, कोमिला सदर दक्षिण थाना अंतर्गत ईपीजेड चौकी के सब-इंस्पेक्टर सैफुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना लगभग 3:00 बजे हुई। चटगांव जा रही मामून स्पेशल बस पादुआ बाजार लेवल क्रॉसिंग पर ट्रेन की चपेट में आ गई। बस ट्रेन के इंजन में फंस गई और ट्रेन के रुकने से पहले लगभग एक किलोमीटर तक घिसटती रही। बस को ट्रेन घसीटते हुए जंगाल्या-कचुआ इलाके तक ले गई। यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर सबसे पहले स्थानीय लोग पहुंचे। बचावकर्मियों के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद और घायलों को बाहर निकालकर कोमिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से तीन शव बरामद किए गए, जबकि नौ अन्य लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, ढाका-चटगांव मार्ग पर ट्रेनों का आवागमन तीन घंटे तक बाधित रहा। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के समय क्रॉसिंग पर कोई गेटमैन मौजूद नहीं था। पूर्वी जोन के महाप्रबंधक ने पुष्टि की कि बांग्लादेश रेलवे ने मंडल स्तर क्षेत्रीय स्तर पर दो जांच समितियां बनाई हैं। गेटमैन मेहदी हसन और हेलाल उद्दीन को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में आधी रात को लगे भूकम्प के झटके

एजेंसी

शिमला: हिमाचल प्रदेश में आधी रात को भूकम्प के झटके लगे हैं। भूकंप के लिहाज से सबसे संवेदनशील मंडी जिला में शनिवार मध्य रात्रि भूकम्प के हल्के झटकों से धरती हिली। भूकम्प की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.4 रही। ये झटके रात 12 बजकर 15 मिनट पर कुछ सेकंड तक रहे। हालांकि तीव्रता कम होने की वजह से इसका ज्यादा असर लोगो ने महसूस नहीं किया। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक भूकम्प का केंद्र मंडी में 31.47 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.97 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रहा और इसकी गहराई जमीन की सतह से पांच किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों के कारण किसी तरह का जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि भूकम्प की तीव्रता कम होने की वजह से मंडी जिला व साथ लगते क्षेत्रों में किसी तरह के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है। इससे पहले भी कई बार मंडी जिला व इससे सटे कुल्लू, लाहौल स्पीति और किन्नौर जिलों में कई बार कम तीव्रता के भूकम्प के झटके लग चुके हैं। हालांकि किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ था। हिमाचल प्रदेश में भूकंप का लगातार आना लोगों को दहशत में डाल रहा है। पिछले कई सालों से यहां भूकम्प के झटके लग रहे हैं।

मध्य प्रदेश में पिछले चार दिनों से 45 जिलों में रहा बारिश-ओले का दौर, अब बढ़ेगी तेज गर्मी

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में बीते चार दिनों (करीब 98 घंटे) तक सक्रिय रहे मजबूत मौसम सिस्टम ने प्रदेश के 45 जिलों में आंधी और बारिश हुई। इनमें से 17 जिलों में ओलावृष्टि भी हुई, जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। अब यह सिस्टम आगे बढ़ चुका है, जिसके बाद प्रदेश में मौसम साफ रहने और तापमान बढ़ने की संभावना है। अगले चार दिनों तक कहीं भी आंधी या बारिश की चेतावनी नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, 26 मार्च से एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, जिससे प्रदेश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी या बादल छाने की स्थिति बन सकती है। इससे पहले शनिवार को कुछ इलाकों में बादल छाए रहे, खासकर भोपाल में, जिससे दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। तापमान की बात करें तो पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा, जहां अधिकतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। रीवा और दतिया में 28.2 डिग्री, नौगांव और सतना में 28.3 डिग्री, सिवनी में 28.4 डिग्री, टीकमगढ़ और सीधी में 28.6 डिग्री, जबकि दमोह और उमरिया में 29 डिग्री दर्ज किया गया। श्योपुर में 29.4 डिग्री, मंडला और खजुराहो में 29.5 डिग्री सेल्सियस रहा। बड़े शहरों में भोपाल का तापमान 29.4 डिग्री, जबलपुर 29.5 डिग्री, इंदौर 30.6 डिग्री, ग्वालियर 28.4 डिग्री और उज्जैन 31.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। तेज आंधी और ओलावृष्टि का सबसे ज्यादा असर केला, पपीता और गेहूं की फसलों पर पड़ा है। धार और खरगोन समेत कई जिलों में नुकसान ज्यादा हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले चार दिनों में इंदौर, धार, खरगोन, बड़वानी, सिवनी, छतरपुर, शिवपुरी, रायसेन, सागर, दमोह, पन्ना और मंडला जिलों में ओले गिरे। आगे के मौसम को लेकर विभाग ने चेतावनी दी है कि अप्रैल और मई में इस बार भीषण गर्मी पड़ सकती है। ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा सकता है, जबकि भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में भी तेज गर्मी का असर रहेगा।

जल प्रकृति का अमूल्य उपहार और समस्त जीव जगत के अस्तित्व का आधार है: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व जल दिवस पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी

भोपाल : आज यानि रविवार को विश्व जल दिवस है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व जल दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया ह्यएक्सह्न पर सभी से जल संरक्षण के लिए संकल्प लेने का आव्हान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा- जल है तो कल है, जल ही जीवन है... विश्व जल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जल प्रकृति का अमूल्य उपहार और समस्त जीव-जगत के अस्तित्व का आधार है। हमें एक-एक बूंद जल के महत्व को समझते हुए इसे

बचाना है। आइए, हम संकल्प लें कि जल संरक्षण के प्रयासों में सदैव सहभागी बनेंगे। उल्लेखनीय है कि विश्व जल दिवस हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में इस दिवस की घोषणा की थी और पहला विश्व जल दिवस 1993 में मनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में मीठे पानी के महत्व को समझाना, जल संकट के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जल संरक्षण के टिकाऊ प्रबंधन के लिए लोगों को प्रेरित करना है। यह दिन लोगों को याद दिलाता है कि जल जीवन का आधार है और इसके बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। इसका उद्देश्य सुरक्षित जल तक सभी की पहुँच सुनिश्चित करने और जल के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रोत्साहित करना है।

न्यूज IN ब्रीफ

बलरामपुर : नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ चैती छठ महापर्व, व्रतियों ने किया व्रत का आरंभ

बलरामपुर : लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व चैती छठ का शुभारंभ आज रविवार को नहाय-खाय के साथ हुआ। बलरामपुर जिले के रामानुजगंज क्षेत्र में व्रतियों ने पारंपरिक विधि से कद्दू-भात और चना दाल ग्रहण कर व्रत की शुरूआत की, वहीं बदले मौसम ने भी श्रद्धालुओं को राहत दी है। चैती छठ महापर्व के पहले दिन नहाय-खाय के अवसर पर रामानुजगंज में सुबह से ही श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। व्रतियों ने नदी-तालाबों में स्नान कर शुद्धता के साथ भगवान सूर्य की उपासना का संकल्प लिया। इसके बाद घरों में विधिपूर्वक कद्दू-भात (कद्दू चावल) और चना दाल बनाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया गया, जिसे व्रत की शुरूआत का महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। इस दौरान पूरे क्षेत्र में छठ पर्व की तैयारी को लेकर उत्साह नजर आया। घरों और घाटों की साफ-सफाई के साथ पूजा सामग्री जुटाने का क्रम भी शुरू हो गया है। बाजारों में भी पूजा से जुड़े सामानों की खरीदारी बढ़ गई है। इधर, मौसम में आए बदलाव ने व्रतियों को बड़ी राहत दी है। तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे भीषण गर्मी से राहत मिली है। यह अनुकूल मौसम आगामी छठ पर्व के अन्य अनुष्ठानों खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य के दौरान व्रतियों के लिए सहायक साबित होगा। उल्लेखनीय है कि, चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में सूर्य देव और छठी मैया की आराधना के माध्यम से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की जाती है। प्रशासन की ओर से भी घाटों पर व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

झाड़ग्राम में चुनाव से पहले कड़ा सुरक्षा घेरा और सख्त निगरानी

झाड़ग्राम : आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर झाड़ग्राम जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद से ही रविवार सुबह से ही जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ नाका चेकिंग, गश्त और व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। जिला प्रशासन के अनुसार, केंद्रीय बलों की 232 नंबर महिला बटालियन और 24 नंबर बटालियन के जवानों के साथ राज्य पुलिस के अधिकारी संयुक्त रूप से यह विशेष अभियान चला रहे हैं। हर महत्वपूर्ण चौराहे और अंतरराज्यीय सीमाओं पर सीसीटीवी कैमरे और निगरानी चौकियां स्थापित की गई हैं। झाड़ग्राम की सीमाएं एक ओर ओडिशा और दूसरी ओर झारखंड से लगती हैं, इसलिए बाहरी राज्यों से किसी भी असामाजिक तत्व की घुसपैठ रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। चुनाव के दौरान अवैध धन, हथियार या अन्य सामग्री की तस्करी रोकने के लिए हर वाहन का नंबर दर्ज किया जा रहा है और यात्रियों की विस्तृत जानकारी ली जा रही है। आम मतदाताओं में विश्वास बहाल करने और भयमुक्त वातावरण बनाने के लिए केंद्रीय बलों द्वारा गांव से शहर तक लगातार रूट मार्च किया जा रहा है। गौरतलब है कि एक समय माओवादी गतिविधियों से प्रभावित रहे जंगलमहल क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए इस बार चुनाव आयोग ने सुरक्षा पर विशेष जोर दिया है। प्रशासन किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने के मूड में नहीं है और निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करना ही इस व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य है। साथ ही जिले के संवेदनशील इलाकों में ड्रोन के जरिए निगरानी की भी योजना बनाई गई है।

काली माता मंदिर में 169वां सफाई अभियान, श्रद्धालुओं को दिया स्वच्छता का संदेश

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया में समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति द्वारा स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पिछले 11 वर्षों से निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर रविवार प्रातः 7 बजे समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) के नेतृत्व में जेसीज चौराहा के समीप स्थित काली माता मंदिर एवं श्रीमद् भागवत कथा प्रांगण में 169वां सफाई अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान सफाई यंत्रों की सहायता से परिसर में फैली प्लास्टिक, पॉलिथीन, फूल-पत्तियां व अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित कर नष्ट किया गया। साथ ही मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं से परिसर को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की गई। नगर पालिका परिषद, औरैया के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता (एडवोकेट) ने बताया कि काली माता मंदिर में शहर व दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु आते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से न केवल वातावरण शुद्ध रहता है, बल्कि लोगों का मन भी प्रसन्न रहता है। उन्होंने यह भी बताया कि यह अभियान श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से चलाया गया है तथा भविष्य में भी प्रमुख धार्मिक पर्वों पर ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे। अभियान में प्रमुख रूप से तेज बहादुर वर्मा, पंकज मिश्रा, विवेक गुप्ता, डॉ. एल.एन. गुप्ता, शिवकुमार पुरवार, संतोष कुशवाहा, अनिल गुप्ता, सुधीर कुमार, हरगोविंद तिवारी, हिमांशु दुबे, आशुतोष पोरवाल सहित अन्य सेवादार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय आज कवर्धा और बलौदाबाजार जिले के दौरे पर

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज रविवार को कई जिलों के दौरे पर रहेंगे। वे सुबह 11:00 बजे रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास से रवाना होकर 11:10 बजे हेलीकॉप्टर से कवर्धा पहुंचेंगे। जहां वे ग्राम जुनवानी और सेमरिया में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे, इसके बाद वे दोपहर 1:35 बजे वीरांगना अवंति बाई लोधी के बलिदान दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद वे दोपहर में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम ओड़ान पहुंचकर गौड़वाना आदर्श सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री शाम 4:30 बजे रायपुर लौटेंगे और बाद में शाम 6:05 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचेंगे।

तीन लोगों ने की आत्महत्या 4 की संदिग्ध अवस्था में मौत

नोएडा : उप्र के नोएडा में विभिन्न जगहों पर रहने वाले तीन लोगों ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक सोमेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले आशुतोष पुत्र रंजीत कुमार उम्र 26 वर्ष मूल निवासी बिहार ने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाक मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना जेवर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के कानी गढ़ी गांव में रहने वाली कुमारी चंचल पुत्री सुभाष उम्र 25 वर्ष ने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है।

न्यूज IN ब्रीफ

मानसिक रूप से कमजोर 22 वर्षीय युवक लापता, परिजन परेशान

मेदिनीनगरः चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर ठाकुर मोहल्ला निवासी संजय सोनी के पुत्र रवि कुमार उम्र 22 वर्ष जो की मानसिक रूप से कमजोर है।वह शनिवार की शाम करीब 5:30 बजे से लापता है।इस संबंध में लापता रवि कुमार के परिजनों ने बताया कि रवि कुमार शनिवार की शाम करीब 5:30 बजे सरहुल जुलूस देखने निकला था।उसके बाद से वह अपना घर नहीं लौटा है। वही उसके लापता हो जाने के बाद से परिजन ने उसे सगे संबंधियों सहित सभी जगह पर उसकी तलाश की परंतु अभी तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया है। परिजनों ने आम जनों से आग्रह किया है कि यदि किसी भी व्यक्ति को रवि कुमार के बारे में सूचना मिले तो इसकी सूचना परिजनों के मोबाइल नंबर 8235 58 9237 पर दें।

जंगल में महुआ चुनने गए अधेड़ की गोली मारकर हत्या

मेदिनीनगर : पांकी थाना क्षेत्र के केरकी गांव निवासी 58 वर्षीय राजदेव पासवान की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बताया गया कि वे जंगल में महुआ चुनने गए थे, तभी अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

ट्रेनों की लेटलतीफी के खिलाफ शिकायत

जमशेदपुर : टाटानगर समेत हावड़ा मुंबई मार्ग में ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्रियों में आक्रोश भड़क रहा है। लेटलतीफी की शिकायत रोज सोशल मीडिया अकाउंट एक और फेसबुक पर हो रही है लेकिन, लेटलतीफी के मुद्दे पर चक्रधरपुर मंडल और दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने चुप्पी साध लिया है। रविवार को भी हावड़ा से जनशताब्दी एक्सप्रेस और इस्पात एक्सप्रेस 3 से 5 घंटे लेट टाटानगर आने वाली है जबकि बक्सर बिलासपुर साप्ताहिक ट्रेन भी 5 घंटे से ज्यादा लेट चल रही है। वहीं, मुंबई से गीतांजलि कुर्ला से शालीमार और अहमदाबाद हावड़ा एक्सप्रेस रोज की तरह डेढ़ दो घंटे लेट से टाटानगर पहुंची। बताया जाता है कि ट्रेनों के लेट चलने से यात्रियों की जरूरी कार्य प्रभावित होते हैं और कई बार दूसरे मार्ग की ट्रेन छूट जाती है।

लोको पायलट को मिला बेसिक लाइफ सपोर्ट और एंबुलेंस सेवा का प्रशिक्षण

जमशेदपुर : टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस द्वारा इलेक्ट्रिक ट्रेनिंग सेंटर में लोको पायलट को एंबुलेंस सेवा और बेसिक लाइफ सपोर्ट का प्रशिक्षण दिया गया। ताकि गोल्डन आवर में लोको पायलट भी साथियों और यात्रियों की जीवन रक्षा कर सके। रेलवे सिविल डिफेंस के इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने बताया कि लोको पायलट को इमरजेंसी सेवा में मैन मेड स्ट्रेचर तैयार करने एंबुलेंस तक पहचाने की विधि बताई गई है। प्रशिक्षण में दपू रेलवे के चक्रधरपुर, रांची,आद्रा, खड़गपुर मंडल के 200 से ज्यादा लोको पायलट,और सहायक लोको पायलट ने भाग लिया। प्रशिक्षण में रेलवे सिविल डिफेंस के डेमोंस्ट्रेटर अनिल कुमार सिंह, कल्याण कुमार साहू ने फायर एक्सटिंग्विशर के माध्यम से आग पर काबू पाने का भी प्रशिक्षण दिया गया।

प्रदीप यादव पहुंचे, कांग्रेसियों ने सर्किट हाउस में किया स्वागत

जमशेदपुर : कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव आज सुबह सर्किट हाउस पहुंचे। वहां जिले के कांग्रेसियों ने उनका स्वागत किया। स्वागत करने वालों में वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र सोनकर, बबलू झा, राकेश साहू सहित कई अन्य नेता शामिल थे। प्रदीप यादव आज से चाईबासा में शुरू हो रहे ओडिशा और झारखंड के सभी जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण में शामिल होने चाईबासा जा रहे थे। इस दौरान हुए रास्ते में कुछ देर के लिए सर्किट हाउस पहुंचे थे। चाईबासा में दोनों राज्यों के जिला अध्यक्षों का प्रशिक्षण लगातार इस माह के अंत तक चलेगा। इसके समापन समारोह में शामिल होने के लिए सांसद राहुल गांधी भी आने वाले हैं।

चैती छठ को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था बदली, भारी वाहनों पर रोक

जमशेदपुर : चैती छठ पर्व के अवसर पर शहर में यातायात व्यवस्था में विशेष बदलाव किए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार 24 मार्च को दोपहर 3 बजे से रात 11 बजे तक सभी प्रकार के भारी वाहनों का परिचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान बसों को छूट दी गई है। इसी तरह 25 मार्च को सुबह 3 बजे से सुबह 11 बजे तक भी भारी वाहनों के संचालन पर रोक लागू रहेगी। यह निर्णय छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

बागबेड़ा बुढ़वा शिव मंदिर में प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा शुरू

जमशेदपुर : बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी रोड नंबर 5 स्थित प्राचीन बुढ़वा शिव मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद नए सिरे से प्रतिमाओं की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की शुरूआत हुई। आठ दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कॉलोनी की सैकड़ों महिलाओं ने कलश यात्रा में शामिल होकर जल भरी का काम पूरा किया। इस दौरान कलश यात्रा में गाजे-बाजे के साथ रथ पर पुजारी भी नदी तट तक पहुंचे। मंत्रोच्चारण के बीच कलश भरकर महिलाएं मंदिर पहुंचीं, जहां भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा के साथ जलाभिषेक किया जाएगा। महिलाओं ने भगवान भोले की प्रार्थना और भक्ति गीतों के बीच माथे पर कलश लिए करीब दो किमी की पैदल यात्रा कर खरकई नदी घाट पर पहुंची। बोल बम के जयकारे के साथ सैकड़ों महिलाएं और पुरुष इस जलाभिषेक कार्यक्रम में शामिल हुए।

बाइक चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, पांच मोटरसाइकिल बरामद

जमशेदपुर : गोलमुरी में पुलिस ने बाइक चोरी के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, 14 मार्च को एबीएम कॉलेज के पास से बाइक चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेह के दायरे में आए। आरोपी राजा सरदार उर्फ प्रकाश सरदार को हिरासत में लेकर पूछताछ की।पूछताछ में उसने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बाइक चोरी की बात स्वीकार की। इसके बाद दो अन्य आरोपियों सोनू नायक उर्फ कटारी और अतुल मुंडा को भी गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की कुल पांच मोटरसाइकिल बरामद की हैं, जिनमें चार हीरो स्पलेंडर बिना नंबर प्लेट और एक लाल रंग की पल्सर 180 शामिल हैं।

चक्रधरपुर में धूमधाम से मनाया गया प्रकृति पर्व सरहुल, निकली भव्य शोभा यात्रा

संवाददाता

चक्रधरपुर : प्रकृति पर्व सरहुल शनिवार को चक्रधरपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सरना स्थलों पर विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और अच्छी बारिश की कामना की गई। वनमालीपुर स्थित पेलो टुंगरी सरना स्थल एवं टेबुल लाइन सरना स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। सरना स्थलों को झंडों से सजाया गया था, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। पारंपरिक विधि-विधान के तहत पुजारी ने पूजा कर क्षेत्र में खुशहाली और हरियाली की कामना की तथा शुभ भविष्यवाणी की।समिति के सदस्यों ने बताया कि चैत्र महीने में मनाया जाने वाला सरहुल पर्व प्रकृति पूजा का प्रतीक है, जिसमें पर्यावरण संतुलन और अच्छी वर्षा की प्रार्थना की जाती है। परंपरा के अनुसार इस पर्व के बाद किसान खेती-बाड़ी के कार्यों में जुट जाते हैं।शाम के समय वनमालीपुर स्थित पेलो टुंगरी सरना स्थल से उरांव सरना समिति द्वारा भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए। इस दौरान लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर सरहुल की शुभकामनाएं देते नजर आए। मांदर और ढोल की थाप पर पारंपरिक गीतों के साथ श्रद्धालु नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। शोभा यात्रा वनमालीपुर से निकलकर टोकलो रोड, भगत सिंह चौक, रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग, पोर्टरखोली और लोको कॉलोनी होते हुए टेबुल लाइन सरना स्थल पहुंची।इस अवसर पर चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष सन्नी उरांव भी शामिल रहे और उन्होंने सभी को सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा आज प्रकृति के सबसे बड़े महापर्व सरहुल के इस पावन अवसर पर, मैं आप सभी को सखुआ के फूलों की ढेर सारी शुभकामनाएँ देता हूँ। आज का दिन हम आदिवासियों और मूलवासियों के लिए केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि अपनी जड़ों की ओर लौटने का दिन है।वहीं उरांव सरना समिति के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी एवं नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव तथा उपाध्यक्ष विजय कुमार साव को अंग वस्त्र सौंपकर तथा गुलाल एवं सखुआ फूल लगाकर स्वागत किया। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी अवधेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहे। कार्यक्रम में उरांव सरना समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सरहुल एकता, आस्था और पहचान का प्रतीक : अमृत चिराग तिर्की

संवाददाता

सिमडेगा : प्रकृति की आराधना और आदिवासी संस्कृति के महान पर्व सरहुल के पावन अवसर पर भारत आदिवासी पार्टी, सिमडेगा के जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने अपने संदेश में कहा कि सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन से जुड़े हमारे अस्तित्व, परंपरा और पहचान का जीवंत प्रतीक है।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि जब साल वृक्षों में नए फूल खिलते हैं, तब सरहुल का आगमन हमें प्रकृति के साथ हमारे अटूट रिश्ते की याद दिलाता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि हम प्रकृति के संरक्षक हैं, उपभोक्ता नहीं। सरहुल की यह भावना आज के दौर में और भी प्रासंगिक हो जाती है, जब पर्यावरण संरक्षण एक वैश्विक चिंता बन चुका है।

उन्होंने आगे कहा कि यह पर्व सामाजिक एकता, आपसी भाईचारा और सामुदायिक जीवन के मूल्यों को मजबूत करता है। गांव-समाज की सामूहिक भागीदारी, पारंपरिक रीति-रिवाज और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है।

जिला अध्यक्ष ने सभी जिलेवासियों से अपील की कि वे इस सरहुल पर्व को शांति, सौहार्द और उल्लास के साथ मनाएं तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक संजोकर रखें।

तेलुगु समाज चक्रधरपुर की सचिव एवं वार्ड पार्षद एस पुष्प लता की गई सम्मानित

ज्योति पाठक

संगठन और समाज के लिए समर्पित रहने वाली वार्ड पार्षद एस पुष्पलता के बेहतर कार्यों और योगदान के लिए तेलुगु समाज ने उनका अभिवादन और सम्मान किया। इस अवसर पर कहा गया कि - एस पुष्पलता अपने दायित्व और कर्तव्य को निरंतर बेहतर ढंग से संपादित कर समाज को संगठित और एक रुपता प्राप्त करवाने में सफल रहीं हैं और इससे समाज को मजबूती प्रदान करने का कार्य भी काफी सराहनीय है। वे सचिव के रूप में अपने कार्यों का पूर्ण रूप से निर्वहन करने में सफल भी रहीं हैं। इस अवसर पर सचिव एस पुष्पलता ने कहा कि नं- उन्होनें हमेशा अपने दायित्व का निर्वहन किया है और इस कार्य में हमेशा सबका सहयोग मिला है जो उनके लिए हमेशा ऊर्जा बढ़ाने का कार्य किया है।

शफीगंज मोहल्ला को स्वच्छ रखना सभी की जिम्मेदारी: वार्ड पार्षद

जमशेदपुर : सड़क व मोहल्ले की सफाई जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र के निवासियों के लिए जरूरी है। इससे लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए नगर परिषद जागरूकता अभियान व नुक्कड़ नाटक आयोजित कर रहा है। शफीगंज मोहल्ला में वार्ड पार्षद नेहा सिंह के नेतृत्व में जुगसलाई नगर परिषद ने जागरूकता अभियान चलाया। इसमें झारखंड गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार शैलेंद्र सिंह, कांग्रेस नेता सुदर्शन तिवारी सुमित मोहल्ला के दर्जनों महिलाएं और युवा शामिल हुए। नगर परिषद की स्वच्छता विशेषज्ञ अमृता, सीपीडी स्किल ट्रेनर सुजीत गिरी तथा श्रीमंत पाले ने लोगों को स्वच्छता का महत्व व स्वस्थ रहने का उपाय बताया।

हरियाणा ले जाई जा रही थी अफीम की खेप, दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

पलामू : झारखंड के चतरा से अफीम की खेप हरियाणा के इलाके में जा रही थी. पलामू पुलिस की कार्रवाई में अफीम की खेप पकड़ी गई है. जबकि दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार तस्करों पर हरियाणा में भी पहले से अफीम के कारोबार के आरोप में मुकदमे दर्ज है. दरअसल, पलामू पुलिस को सूचना मिली थी कि डालटनगंज रेलवे स्टेशन के आसपास अफीम की खेत की डिलीवरी होनी है, जिसका तस्करी दूसरे राज्य में होना है. इसी सूचना के आलोक में पलामू पुलिस ने डालटनगंज रेलवे स्टेशन के आसपास सर्च अभियान शुरू किया था. डालटनगंज रेलवे स्टेशन के यात्री सेड से दो संदिग्ध युवकों को पुलिस ने पकड़ा और उनकी तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान गिरफ्तार युवक मुकेश कुमार रजक एवं सत्यदेव यादव के पास से पुलिस ने 1 किलो 263 ग्राम अफीम बरामद की. गिरफ्तार दोनों आरोपी चतरा के लावालौंग के रिमी रामपुर के रहने वाले है. सभी के खिलाफ मेदिनीनगर टाउन थाना में एनडीपीएस एक्ट के धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया है. डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में कई जानकारी मिली है जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है. अफीम की खेप की डिलीवरी हरियाणा के इलाके में होने वाली थी. जिसे आरोपी ट्रेन से लेकर जाने वाले थे. पुलिस की छापेमारी में डीएसपी राजीव रंजन, टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार, टीओपी 2 के प्रभारी राकेश कुमार, सब इंस्पेक्टर प्रदीप शर्मा, चंद्रशेखर यादव समेत कई पुलिस जवान शामिल थे.

पद्मशाली समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का हुआ प्रदर्शन

संवाददाता

जमशेदपुर : झारखंड स्टेट पद्मशाली संगम का श्री भवानारुषि स्वामी पूजा उत्सव एग्रिको में धूमधाम से संपन्न जमशेदपुर । झारखंड राज्य पद्मशाली संगम के तत्वावधान में आज एग्रिको क्लब हाउस में श्री भवानारुषि स्वामी पूजा का विधि विधान के साथ आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम में झारखंड सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए पद्मशाली समुदाय के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अपनी परंपराओं को जीवंत किया।कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 9 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्री भवानारुषि स्वामी की विशेष पूजा से हुई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समुदाय की सांस्कृतिक जड़ों को सहेजना और नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध विरासत से रूबरू कराना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय पद्मशाली संगम (एबीपीएस) हैदराबाद के अध्यक्ष कंडागटला स्वामी ने अपने संबोधन में समाज की एकता और आध्यात्मिक चेतना पर बल दिया।सम्मानित अतिथियों में एबीपीएस के महासचिव वनपिल्ली वेंकट राव और रायपुर क्षेत्र पद्मशाली समाज के अध्यक्ष सह राष्ट्रीय सचिव गोपाल परसावर शामिल हुए। अतिथियों ने झारखंड इकाई के प्रयासों की सराहना करते हुए समाज के आर्थिक और सामाजिक उत्थान का आह्वान किया।यह पूरा आयोजन झारखंड राज्य पद्मशाली संगम के अध्यक्ष तिप्पना संभा शिव राव के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। उपाध्यक्ष वनपिल्ली शंकर राव और उनकी पूरी समर्पित टीम ने आगंतुकों का स्वागत किया और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।दोपहर 3 बजे महाप्रसाद वितरण होगा। इस आयोजन ने न केवल पद्मशाली समाज की धार्मिक आस्था को मजबूत किया।

विप्र फाउंडेशन ने किया नव निर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का अभिनंदन

संवाददाता

चाईबासा : आज 21 मार्च 2026 को स्थानीय सत्यनारायण ठाकुर बाड़ी मंदिर में विप्र फाउंडेशन पश्चिमी सिंहभूम इकाई द्वारा अध्यक्ष राजेश चौबे के नेतृत्व में नगर निकाय के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री नितिन प्रकाश एवं उपाध्यक्ष श्री विकास शर्मा हेतु अभिनंदन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों व विप्र बंधुओं द्वारा परशुराम मंड में दीप प्रज्वलित कर किया गया । श्री पुरुषोत्तम शर्मा ने अपने स्वागत भाषण से उपस्तिथ अतिथियों संग विप्र बंधुओं का स्वागत किया जिसके तय रूपरेखा अनुसार क्रमवार श्री पवन शर्मा , श्री राजेश चौबे, श्री पुरषोत्तम शर्मा, श्री विनोद दाहिमा एव श्री ललित शर्मा द्वारा नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री नितिन प्रकाश को पुष्प गुच्छ , स्मृति चिन्ह,भगवान परशुराम की फोटो, परशुराम कवच एवं अंगवस्त्र सप्रेम भेंट किया गया ततपश्चात क्रमवार श्रीमती रिकका जोशी,श्रीमती उर्मिला शर्मा ,श्रीमती पुष्पलता चौबे,श्री महेंद्र शर्मा व श्री आनंद शर्मा द्वारा नव निर्वाचित उपाध्यक्ष श्री विकाश शर्मा को पुष्प गुच्छ , स्मृति चिन्ह,भगवान परशुराम की फोटो ,परशुराम कवच एवं अंगवस्त्र सप्रेम भेंट किया गया । अपने संबोधन में श्री नितिन प्रकाश ने सभी को आस्वस्त किया की 3 से 6 माह में चाईबासा शहर में बदलाव नजर आने लगेगा साथ ही उन्होंने यह भी कहा बदलाव के लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है । उपाध्यक्ष विकास शर्मा ने अध्यक्ष के साथ कंधे से कंधा मिला कर चाईबासा की बदलती तस्वीर में अपनी महती भूमिका निभाने के लिए खुद को कटिबद्ध बताया । कार्यक्रम में श्री सुशील कुमार चौबे ,श्री कैलाश चौबे,श्री रमेश चौबे,श्री जितेंद्र चौबे ,श्री सुशील चौमाल ,श्री निरंजन शर्मा ,श्री दीपक शर्मा ,श्री मनोज जोशी,श्री वतन चौबे,श्री निशान चौबे ,श्री अनूप जोशी , श्री संजय शर्मा,श्री दिलीप शर्मा,श्री सशिकान्त शर्मा,श्री राजेश शर्मा महिला प्रकोष्ठ से श्रीमती पुष्पा चौबे ,श्रीमती अनिता चौबे, श्रीमती रंजू चौबे , डॉ श्रुति चौबे,श्रीमती रीमा चौबे , श्रीमती माया दाहिमा,श्रीमती मंजू दाहिमा, श्रीमती सिमा जोशी,श्रीमती नेहा शर्मा ,श्रीमती चंद शर्मा ,श्रीमती ज्योति शर्मा ,श्रीमती रीना शर्मा ,श्रीमती प्रतिमा चौमाल,श्रीमती कांता चौमाल आदि उपस्थित थे।